Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 140
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

लखनऊ-शुक्रवार,19 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 लखनऊ विश्वविद्यालय में एबीवीपी का विरोध

4 राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी खत्म नहीं हो

5 आर्यन खान की डेब्यू सीरीज के प्रीमियर में बहन ने

नवंबर में होगी पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी :सीएम

धरातल पर उतरेंगी 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाये

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की निजी निवेशपरियोजनाओं के साथ पांचवें ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी नवम्बर माह में होगी। उन्होंने किसानों से भावात्मक संबंध बताते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा दर बढ़ाने पर विचार हो रहा है।उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को आवंटित भूमि अगर तीन साल में उपयोग न आई तो आवंटन रदद होगा। मुख्यमंत्री ने आज गुरुवार को औद्योगिक विकास विभाग की बैठक में यह निर्देश दिए। अब तक 15 लाख करोड़ से अधिक की औद्योगिक परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं तथा 60 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी एवं रोजगार की गारंटी मिली। औद्योगिक प्राधिकरण भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजे की दर में बढ़ोतरी पर विचार करें।उन्होंने कहा कि अपनी भूमि के साथ हर किसी का भावनात्मक संबंध होता है। यदि प्रदेश हित में उनकी भूमि का अधिग्रहण आवश्यक है तो उन्हें अच्छा मुआवजा मिलना चाहिए। संवाद और समन्वय से काम आसान हो सकता है। औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप भूमि अधिग्रहण के लिए वर्तमान मुआवजे की दर में बढ़ोतरी पर विचार करें।नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी में से किसी एक क्षेत्र में फिनटेक हब विकसित किया जाए। बड़े बैंकिंग संस्थाओं के कार्यालय हों। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के निर्यात को और बेहतर करने के लिए नियोजित प्रयास की आवश्यकता है। भूमि आवंटन के उपरांत भूमि का समुचित उपयोग न करने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटन अधिकतम तीन वर्षों के उपरांत रद कर दिया जाए। वह भूमि अन्य निवेशक को आवंटित किया जाना चाहिए।उन्होंने निवेश मित्र और निवेश सारथी पोर्टलों को और अधिक सहज व सरल बनाये जाने की आवश्यकता बताई। निवेशक छोटा हो या बड़ा, कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़े। 22 सितम्बर से प्रभावी हो रहे जीएसटी सुधारों का लाभ हर नागरिक को मिलना चाहिए। सीएम ने आशा जताई कि आम आदमी को सीधा लाभ होगा। रोजगार जोन के लिए जमीन उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित विशेष रोजगार जोन के विकास की कार्ययोजना पर चर्चा की। चरणबद्ध रूप से सभी जिलों में कम से कम 100 एकड़ में रोजगार जोन का विकास किया जाना है, भूमि उपलब्ध कराई जाए। यह क्षेत्र उद्योग निवेश उद्यमिता नवाचार कौशल विकास और रोजगार का हब होगा। कार्ययोजना पूरे देश में मॉडल बनेगी। वर्ष 2025-26 के लिए विनिर्माण क्षेत्र का 5 लाख करोड़ का जीवीए लक्ष्य है। फैक्ट्री अधिनियम के अंतर्गत 8,000 नई,विद्यमान इकाइयों का पंजीकरण आवश्यक है।

चमोली में बादल फटने से कई भवन धराशाई,10 लोग लापता सीएम धामी ने हादसे पर जताया दुख

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मौसम का कहर रुकने का नाम नहीं रहा है। सोमवार को देहरादून में आई प्रलय के बाद गुरुवार सुबह चमोली जनपद की नगर पंचायत नंदानगर में आफत की बारिश (अतिवृष्टि) हुई है। जिसमें कुल छह भवन ध्वस्त हो गए हैं, जबकि दस लोग लापता हैं। दो लोगों को बचा लिया गया है। साथ ही, धुर्मा गांव में भी कई भवन धराशाई हुए हैं। यहां दो लोग, जबकि ग्राम सर्पाणि में दो व्यक्तियों के लापता होने की सूचना मिली है।इस प्रकार कुल दस लोग लापता होने की प्रारंभिक जानकारी है। जिनकी पुष्टि की जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है और राहत दलों से तत्परता से बचाव कार्य करने के लिए कहा है। मौसम विभाग ने राज्य के कई स्थानों पर आज भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। जिला आपदा प्रबंधन केंद्र, चमोली से प्राप्त सूचना के अनुसार, प्रारंभिक सूचना के अनुसार, नगर पंचायत नंदानगर के वार्ड कुन्तरि लगाफाली में भारी वर्षा के कारण मलबा आने से 06 भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना में 06 लोगों के लापता होने की सूचना है। दो को बचा लिया गया है। जबकि नंदानगर तहसील के धुर्मा गावं में भी भारी वर्षा के कारण 4-5 भवनों की क्षति की सूचना प्राप्त हुई है। प्रारंभिक सूचना के अनुसार जनहानि नहीं है। मोक्ष नदी का जलस्तर बढ़ा है। मिली जानकारी के मुताबिक, नन्दानगर के वार्ड कुन्तरी लग्गा फाली में कुंवर सिंह पुत्र डा० बलवन्त सिंह, आयु 42 वर्ष, कान्ता देवी पत्नी कुंवर सिंह, आयु 38 वर्ष, विकास पुत्र कुंवर सिंह, आयु 10 वर्ष, विशाल पुत्र कुंवर सिंह, आयु 10 वर्ष, देवेश्वरी देवी पत्नी दिलवर सिंह, आयु 65 वर्ष, नरेन्द्र सिंह पुत्र कुनाल सिंह कुल छह व्यक्तियों के लापता होने की सूचना है।

नदी में डूबने से तीन युवकों की मौत, परिजनों में कोहराम

बहराइच (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के कैसरगंज क्षेत्र में बुधवार को सरयू नदी में नाव पलटने से लापता तीन लोगों के शव गुरुवार सुबह बरामद कर लिये गये हैं। पुलिस के अनुसार, कैसरगंज थाना क्षेत्र के ठाकुरपुरवा गांव निवासी अजय (27) की पत्नी का दसवां कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में उनके रिश्तेदार, अंकुर (18) और गोपी (17) भी शामिल होने आए थे। अजय को नशे की आदत थी और बताया जा रहा है कि तीनों युवक बुधवार को निमदीपुर गांव के पास स्थित सरयू नदी में एक छोटी नाव से घूमने गए थे। नदी में इस समय जलभराव अधिक है और बहाव भी तेज है। देर शाम तक जब तीनों युवक वापस नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। नदी के किनारे नाव का चप्पू (बांस) मिला, लेकिन नाव और तीनों युवकों का कोई पता नहीं चल सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों, परिजनों और गोताखोरों की मदद से लापता युवकों की तलाश शुरू कर दी गई। आज सुबह फील्ड यूनिट और गोताखोरों की मदद से पुलिस ने तीनों शव बरामद कर लिया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज जा रहा है।

पंजाब के राज्यपाल से मिले केंद्रीय मंत्री खट्टर,बाढ़ की स्थिति को लेकर हुई चर्चा

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज यानी गुरुवार को पंजाब राज भवन में एक अहम मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच पंजाब और चंडीगढ़ से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और आगे की रणनीति बनाई। मुलाकात के दौरान प्रदेश में हाल ही में आई बाढ़ की स्थिति और उसे सामान्य करने के लिए चल रहे प्रयासों पर भी विचार किया गया। राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री ने इस दिशा में तेजी से काम करने और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता पहुंचाने पर बल दिया। राज्यपाल कटारिया ने केंद्रीय मंत्री खट्टर का राज भवन में स्वागत किया और विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य के आपसी सहयोग से पंजाब के विकास कार्य और अधिक गति पकड़ेंगे। इसे लेकर खुद राज्यपाल कटारिया ने तस्वीरें और जानकारी साझा की। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर का गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

भारत पूरा समर्थन करेगा, पीएम मोदी ने नेपाल की प्रधानमंत्री कार्की से फोन पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की और नेपाल में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों में भारत के समर्थन को दोहराया। मोदी ने नेपाल की प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री कार्की और वहां की जनता को नेपाल के राष्ट्रीय दिवस की हार्दिक बधाई भी दी। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में लिखा, नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री श्रीमती सुशीला कार्की से गर्मजोशी के साथ बातचीत हुयी। वहां हाल ही में हुई दुखद मौतों पर गहन संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के अटूट समर्थन की पुष्टि की। इसके अलावा मैंने कल नेपाल के राष्ट्रीय दिवस पर उन्हें और नेपाल की जनता को हार्दिक बधाई दी। दोनों नेताओं की बातचीत से पहले नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने मंगलवार को प्रधानमंत्री कार्की से शिष्टाचार भेंट की थी। मुलाकात के दौरान राजदूत श्रीवास्तव ने नेपाल की प्रगति और समृद्धि में सहयोग के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि यह सहयोग आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। उन्होंने नेपाल के विकास और पुनर्निर्माण में भारत की ओर से सहायता दिये जाने की पुष्टि करते हुये कहा कि भारत नेपाल में शांति, सुशासन और स्थिरता के पक्ष में है। नेपाल खबर की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री कार्की ने भारतीय राजदूत से कहा था कि वह गुरुवार को अपने भारतीय समकक्ष के साथ आपसी हितों के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करेंगी। इससे पहले अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर मोदी ने कार्की को भेजे बधाई संदेश में नेपाल की समृद्धि की कामना करते हुए नेपाल में नागरिक सरकार के गठन का स्वागत किया था। गौरतलब है कि नेपाल में श्जेन जेडश के आंदोलन और उसके परिणामस्वरूप हुई हिंसा के मद्देनजर, सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने 9 सितंबर को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

वोटर अधिकार यात्रा नहीं, घुसपैठिया बचाओ यात्रा है राहुल की

अमित शाह का कांग्रेस पर तीखा हमला

रोहतास (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बिहार के रोहतास जिले में वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को घुसपैठिया बचाओ यात्रा करार देते हुए कांग्रेस पर विकास के मुद्दों को नजरअंदाज करने और बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। शाह ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे जनता को विपक्ष की मंशा से अवगत कराएं। रोहतास के डेहरी में 10 जिलों के चयनित कार्यकताओं की बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कांग्रेस हर बार फेक नैरेटिव फैलाती है। राहुल गांधी ने एक यात्रा की... उनकी यात्रा का विषय वोट चोरी नहीं था। उनका विषय अच्छी शिक्षा, रोजगार, बिजली, सड़कें नहीं था, बल्कि बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठियों को बचाना था। यह राहुल गांधी की घुसपैठिया बचाओ यात्रा थी। शाह ने कांग्रेस की यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा, क्या घुसपैठियों को वोट का अधिकार या मुफ्त राशन होना चाहिए? क्या घुसपैठियों को नौकरी, घर, 5 लाख रुपये तक का इलाज मिलना चाहिए? हमारे युवाओं के बजाय राहुल गांधी वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को नौकरी दे रही है। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा, ष्आप (बीजेपी कार्यकर्ता) जानते हैं कि इसका उद्देश्य क्या था? इसका उद्देश्य बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की रक्षा करना था। आपको पूरे राज्य में जाना चाहिए, हर घर में जाना चाहिए और लोगों को बताना चाहिए कि यदि वे (विपक्षी गठबंधन) सत्ता में आ गए तो बिहार का हर जिला घुसपैठियों से भर जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस नेताओं की पुरानी रणनीति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले भी इसी तरह की रणनीति अपनाई थी जब उन्होंने आरोप लगाया था कि हम अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। अमित शाह ने बिहार की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अन्य दलों में नेता चुनाव जीतते हैं, लेकिन बीजेपी ऐसी पार्टी है जहां कार्यकर्ता ही चुनाव जीतते हैं। उन्होंने कहा, ष्बिहार की जनता ने आरजेडी और उनके सहयोगियों को सरकार चलाने का मौका दिया, लेकिन वहां फिरौती और हत्या जैसी घटनाएं होने लगीं। इससे राज्य की समृद्धि नहीं हो सकती।

सारण में बच्चों से भरी स्कूल बस के साथ दर्दनाक हादसा, उड़े परखच्चे

सारण (एजेंसी)। बिहार में सारण जिला के अमनौर थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह निजी विद्यालय के बस और ट्रक की आमने- सामने की टक्कर में 10 बच्चे घायल हो गए हैं। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि परसा थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी विद्यालय का बस अमनौर थाना क्षेत्र से बच्चों को लेकर विद्यालय की ओर जा रहा था। इसी दौरान अमनौर-परसा राजमार्ग संख्या- 73 पर सोनहो में विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने स्कूली बस को टक्कर मार दिया। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूल वैन के परखच्चे उड़ गए।इस घटना में 10 बच्चे घायल हो गए हैं, जिसमें से एक की हालत गंभीर है। उसे स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक ने प्राथमिक चिकित्सा के बाद बेहतर इलाज के लिये सदर अस्पताल भेज दिया है। शेष बच्चों की चिकित्सा स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में की जा रही है। घटना के बाद दोनों वाहनों के चालक वाहन छोड़ कर भाग निकले हैं।

राहुल गांधी का प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईसी पर बड़ा आरोप

..वोट चोरों को बचा रहे ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने पार्टी नेता राहुल गांधी की महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले गुरुवार को चेतावनी भरा संदेश जारी कर कहा कि लोक सभा में विपक्ष के नेता बहुत बड़ा खुलासा करने वाले हैं, इसलिए अपनी कुर्सी की पेटी बांध लीजिये। कांग्रेस ने यह संदेश अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज एक्स पर एक पोस्ट में दी है। पार्टी ने इस पोस्ट के साथ राहुल गांधी के मतदाता सूची में गड़बड़ी का खुलासा करने वाली पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस तथा बिहार में मतदाता अधिकार रैली के दौरान उनके हाइड्रोजन बम वाले बयान के वीडियो भी पोस्ट किये हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि पूरे देश में कांग्रेस को वोट देने वाले मतदाताओं के नाम जानबूझकर सूची से हटाये जा रहे हैं और यह काम स्वचलित, विकेंद्रीकृत तथा बहुत रणनीतिक रूप से पूरे देश में किया जा रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर देश के लोकतंत्र को तबाह करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया और कहा कि जब शिकायत की जाती है तो उसकी कोई सुनवाई नहीं होती। इससे साफ है कि श्री ज्ञानेश कुमार आरोपियों को बचा रहे हैं और वोट चोरी की कार्रवाई को संरक्षण दे रहे हैं। श्री गांधी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रणनीति के तहत वोट काटे जा रहे हैं और कांग्रेस तथा विपक्षी दलों के मतदाताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस मामले में कर्नाटक के अलंद का जिक्र किया और बताया कि वहां 6018 वोट काटे गये हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन मतदाताओं के नाम काटे गये हैं, उनको पता ही नहीं है कि उनका नाम मतदाता सूची से कटा है।

चुनाव आयोग चुनावी प्रक्रिया को नष्ट करने में है शामिल :प्रियंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग चुनावी प्रक्रिया को नष्ट करने में संलिप्त है। उन्होंने लोगों से राहुल गांधी का संवाददाता सम्मेलन देखने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि लोगों को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। प्रियंका गांधी ने संवाददताओं से कहा, सभी लोगों का उनका संवाददाता सम्मेलन देखना चाहिए और यह समझना चाहिए कि हमारे देश में क्या हो रहा है और कैसे निर्वाचन आयोग हमारे देश में चुनावी प्रक्रिया को नष्ट करने में संलिप्त है। कांग्रेस नेता ने कहा,हम सभी को लोकतंत्र के लिए लड़ने की जरूरत है। हमें संविधान के लिए लड़ने की जरूरत है, हमें अपने देश के लिए लड़ने की जरूरत है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी के समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के प्रयास हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र की हत्या करने वालों तथा वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि ज्ञानेश कुमार को ऐसे लोगों को संरक्षण देना बंद करना चाहिए और एक सप्ताह में निर्वाचन आयोग को कर्नाटक की सीआईडी के साथ पूरी जानकारी साझा करनी चाहिए।

कहां गई विदेश नीति जिसका पीटा जा रहा था डंका: अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। ड्रग उत्पादक व निर्यातक देशों में चीन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान समेत 23 देशों की सूची में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत को शामिल किए जाने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने ड्रग उत्पादक और निर्यातक देशों में शामिल किया जाना देश के लिए बेहद शर्मनाक है। साथ ही उन्होंने पूछा है कि कहां गई वह विदेश नीति जिसका डंका पीटा जा रहा था। गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जिस अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए भाजपा के लोग हवन पूजन करते फिर रहे थे, जीत की कामना कर रहे थे और खुशियां मना रहे थे, पटाखे फोड़ रहे थे उसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत का घोर अपमान किया। भारत को ड्रग्स उत्पादक एवं निर्यातक देशों में पाकिस्तान के साथ ही सूची में डाल दिया, यह देश के लिए बेहद शर्मनाक है। कहां गई वह विदेश नीति जिसका डंका पीटा जा रहा था। अखिलेश ने कहा कि दरअसल ड्रग्स और अवैध धंधों के काम में भाजपा के लोग शामिल हैं और इसके कारण पूरे देश की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। विदेश नीति शून्य है, केवल खोखले दावे किए जा रहे हैं।

अपहरण मामले में तमिलनाडु के विधायक को अग्रिम जमानत, मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु के विधायक पूवई जगन मूर्ति को बड़ी राहत देते हुए अपहरण के एक मामले में उन्हें अग्रिम जमानत दे दी। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने विधायक की याचिका का निपटारा कर दिया। पूवई जगन मूर्ति तमिलनाडु की केवी कुप्पम सीट से विधायक हैं। विधायक ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। उच्च न्यायालय ने विधायक की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने विधायक के तर्क माने सुनवाई के दौरान विधायक ने तर्क दिया कि जिस लड़के का अपहरण हुआ, उसकी बरामदगी उनके कब्जे या उनके ठिकाने से नहीं हुई थी। विधायक ने दावा किया कि उन्हें इस मामले में दुर्भावनापूर्ण तरीके से फंसाया गया है। पीठ ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं है। क्या है मामला लक्ष्मी नामक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें अपने बेटे के अपहरण का आरोप लगाया गया था। महिला ने बताया कि उसका बड़ा बेटा एक लड़की को लेकर फरार हो गया था। तिरुवल्लूर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, लड़की के परिवार के सदस्यों ने, कुछ बदमाशों के साथ, बड़े बेटे की तलाश में उसके घर पर धावा बोल दिया। जब बड़ा बेटा घर नहीं मिला तो उन्होंने कथित तौर पर उसके 18 वर्षीय छोटे बेटे का अपहरण कर लिया और बाद में उसे घायल अवस्था में एक होटल के पास छोड़ गए।

टेक्नोलॉजी के चैंपियन हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली : क्या आपको वह समय याद है जब सरकारी दस्तावेज को हासिल करना कितना मशक्कत का काम होता था ? कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लंबी लाइनें लगती थीं, और कभी-कभी बेवजह की फीस देनी पड़ती थी। अब वही दस्तावेज सीधे आपके फोन पर मिल जाते हैं। यह बदलाव यूं ही नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक को भारत का सबसे बड़ा समान अवसर देने वाला साधन बना दिया। मुंबई का एक रेहड़ी-पटरी वाला वाला भी वही यूपीआई पेमेंट सिस्टम इस्तेमाल करता है, जो एक बड़ी कंपनी का अधिकारी करता है। उनकी सोच में तकनीक पद के अनुरूप किसी ऊंच-नीच को नहीं मानती। यह बदलाव उनकी मूल सोच अंत्योदय को दशार्ता है- यानी कतार में खड़े सबसे आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना। हर डिजिटल पहल का मकसद है कि तकनीक को

सबके लिए समान रूप से उपलब्ध कराना। गुजरात में शुरू हुए ये प्रयोग ही भारत की डिजिटल क्रांति की नींव बने।

गुजरातः जहां से शुरूआत हुई

मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने तकनीक और नवाचार के जरिए गुजरात को बदला। 2003 में शुरू की गई ज्योतिग्राम योजना में फीडर सेपरेशन तकनीक का उपयोग किया गया। इससे ग्रामीण उद्योगों को 24७7 बिजली मिली और तय समय पर खेतों को बिजली मिलने से जमीन के नीचे का पानी कम गति से घटने लगा। महिलाएं रात में पढ़ाई कर सकीं और छोटे व्यवसाय फले-फूले, जिससे गाँव से शहर की ओर पलायन घटा। एक अध्ययन के अनुसार, इस योजना पर किए गए 1,115 करोड़ रुपये के निवेश की भरपाई सिर्फ. ढाई साल में हो गई। 2012 में उन्होंने नर्मदा नहर पर सोलर पैनल लगाने का निर्णय लिया। इस परियोजना से हर साल 1.6 करोड़ यूनिट बिजली बनी, जो लगभग 16,000 घरों के लिए काफी थी। साथ ही, नहर के पानी का वाष्पीकरण कम हुआ और पानी की उपलब्धता बढ़ी। एक ही पहल से कई समस्याओं का समाधान निकालना मोदी जी की तकनीक दृष्टि को दशार्ता है। स्वच्छ ऊर्जा बनाना और पानी बचाना, दोनों साथ-साथ। यह दक्षता और प्रभाव का उदाहरण था, जो साधारण समाधानों से कहीं अधिक था। इस नवाचार को अमेरिका और स्पेन द्वारा अपनाया जाना इसकी प्रभावशीलता को और मजबूत करता है। ई-धरा प्रणाली से जमीन के कागजात डिजिटल हुए। स्वागत पहल से नागरिक वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा मुख्यमंत्री से सीधे जुड़ सके। ऑनलाइन टेंडरिंग से भ्रष्टाचार पर रोक लगी। इन पहलों से भ्रष्टाचार घटा और सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हुई। लोगों का शासन पर भरोसा लौटा, जिसका असर गुजरात में लगातार मिलती बड़ी चुनावी सफलताओं में दिखा।

राष्ट्रीय परिदृश्य

2014 में उन्होंने गुजरात का अनुभव और सीख को दिल्ली तक पहुंचाया। लेकिन पैमाना कहीं बड़ा था। उनके नेतृत्व में इंडिया स्टैक ने जो आकार लिया, वह दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनकर उभरा है। इसकी बुनियाद जैम ट्रिनिटी (जन धन, आधार, मोबाइल) पर रखी गई। जन धन खातों ने 53 करोड़ से अधिक लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा। जो लोग अब तक आर्थिक रूप से बाहर थे, वे पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने। ठेले वाले, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण परिवार, जो केवल नकद पर निर्भर रहते थे, अब बैंक खातों से जुड़े। इससे उन्हें सुरक्षित बचत करने, सीधे सरकारी लाभ पाने और आसानी से कर्ज. प्राप्त करने का अवसर मिला। आधार ने नागरिकों को डिजिटल पहचान दी। अब तक 142 करोड़ से ज्यादा पंजीकरण हो चुके हैं। इससे सरकारी सेवाओं तक पहुंचना आसान हुई, जहां पहले कई दस्तावेजों की जांच की जरूरत पड़ती थी। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने बिचौलियों को हटा दिया और गड़बड़ी कम की। अब तक डीबीटी से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। यही पैसा स्कूल, अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे बनाने में लगाया जा रहा है। पहले ग्राहक की पहचान (केवाईसी) की प्रक्रिया कठिन थी। इसमें कागजी दस्तावेजों की जांच, मैनुअल प्रक्रिया और कई बार की भाग-दौड़ शामिल होती थी। इससे सेवा प्रदाताओं को हर वेरिफिकेशन पर काफी खर्च करना पड़ता था। आधार-आधारित ई-केवाईसी ने इस खर्च को घटाकर मात्र 5 रुपये में कर दिया। अब छोटे से छोटे लेन-देन भी आर्थिक रूप से संभव हो गए हैं। यूपीआई ने भारत के भुगतान करने का तरीका बदल दिया। अब तक 55 करोड़ से ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल कर चुके हैं।

आरेडिका में राजभाषा पखवाडा की शुरूआत

नई दिल्ली : आरेडिका में राजभाषा विभाग के तत्वावधान तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द के नेतृत्व में राजभाषा पखवाडा के तहत दिनांक-17.09.2025 से 27.09.2025 तक विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में आरेडिका के कर्मचारी एवं अधिकारी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिताओं में हिंदी निबंध लेखन, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा हिंदी वाक, आधिकारियों के लिए निबंध लेखन, सांस्कृतिक संध्या एवं कवि सम्मेलन, साहित्यिक व्याख्यान, हिन्दी कार्यशाला तथा पुस्तक एवं साहित्य प्रदर्शनी आदि शामिल की गयी हैं। यह आयोजन रेलवे बोर्ड के निदेशों के अनुपालन में किया जा रहा है। दिनांक 17.09.2025 को हिंदी निबंध लेखन, तथा दिनांक-18.09.2025 को हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं में सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक ने बधाई दी। राजभाषा पखवाडा की शुरूआत महाप्रबंधक महोदय के नेतृत्व में सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में हिंदी कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक के आयोजन के साथ की गयी। जिसमें आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति उत्साह के भावों को संचारित करते हैं जो राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रवीश कुमार, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राकेश राज पुरोहित, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अकमल वदूद, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आभा जैन, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गोरखपुर स्टेशन पर प्रतीक्षालय की सफाई करती हुई महिलाकर्मी

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2025 तक पूर्वोत्तर रेलवे पर स्वच्छोत्सव थीम स्वच्छता ही सेवा-2025 पखवाड़ा के दूसरे दिन 18 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये एवं रेल परिसर, कार्यालयों में गहन साफ-सफाई की गई तथा स्वास्थ्य कर्मियों को पी.पी.ई. किट एवं सेफ्टी इक्विपमेंट वितरण किया गया। 18 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने हेतु जागरूक किया गया। वाटर हाइड्रेन्ट एवं वाटर बूथ पर पानी की गुणवत्ता की जाँच की गयी। स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा लखनऊ जं0 स्टेशन पर ट्रैक किनारों की साफ-सफाई करायी गयी। यात्रियों को स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाये रखने हेतु स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाकर कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति तथा बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने हेतु जागरूक किया गया। वाटर हाइड्रेन्ट एवं वाटर बूथ तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी की गुणवत्ता की जाँच की गयी।

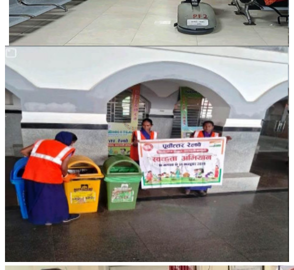

समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

गोरखपुर, : महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय

बोरवणकर ने 18 सितम्बर, 2025 को लेखा विभाग एवं ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर का गहन निरीक्षण किया। महाप्रबन्धक ने लेखा विभाग के पेंशन अनुभाग, लेखा कार्यालय तथा स्थापना कार्यालय का निरीक्षण कर फाइलों के रख-रखाव एवं कार्यप्रणाली में आवश्यक सुधार लाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने लेखा भवन के स्थापना विभाग के पुराने रिकॉर्ड को डिजिटल करने तथा लेखा कार्यालय परिसर में स्थापित कुंए को हेरिटेज के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। इस दौरान महाप्रबंधक ने स्वच्छता ही सेवा को ध्यान में रखते हुए कार्यालय परिसर में साफ-सफाई हेतु आवश्यक सुझाव तथा निर्देश दिये। उन्होंने स्टाफ कैंटीन का निरीक्षण कर मानक के अनुरूप बनाये रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के उपरान्त श्री बोरवणकर ने क्षेत्रीय सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र, गोरखपुर के सभाकक्ष

में प्रधान वित्त सलाहकार श्री अमरजीत गौतम एवं लेखा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक ने कहा कि लेखा विभाग के सभी कार्य काफी महत्वपूर्ण तथा संवेदनशील होते हैं, कार्यों को सुचारू रूप से करने के लिए यदि प्रशिक्षण की आवश्यकता है तो विभागवार संबन्धित कर्मचारियों को अवश्य ही प्रशिक्षित करायें। उन्होंने कहा कि विभाग से जो भी प्रस्ताव रेलवे बोर्ड या मंडल स्तर पर भेजा जा रहा है उसकी गहन समीक्षा करके ही भेजें, जिससे किसी प्रकार की समस्या न हो एवं विभाग के साथ सामंजस्य बैठाकर कार्यों का निस्तारण हो सके। श्री बोरवणकर ने कहा कि रेलवे बोर्ड से प्राप्त बजट का समुचित उपयोग करें। उन्होंने विभाग की लम्बित

फाइलों के निस्तारण करने हेतु मंडल स्तर पर बैठक कर उन्हें निस्तारित करने तथा बिल रिकवरी करने हेतु आवश्यक सुझाव दिया। ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय,गोरखपुर में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने नवीनीकरण किये जा रहे आई.सी.यू. व निमार्णाधीन आपातकालीन यूनिट का गहन निरीक्षण कर कार्यों को ठीक ढंग से शीघ्र पूरा किये जाने तथा स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत अस्पताल स्थित नाले का पुनर्रूद्धार करने का निर्देश दिया। उन्होंने ओ.पी.डी. के नवीनीकरण कार्य का एवं औषधि भंडार फामेर्सी पंजीकरण आदि का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित किया।

फीस बकाया होने पर छात्र की परीक्षा पर लगाई रोक

वाराणसी। सामने घाट स्थित एक स्कूल में कक्षा चार के छात्र को परीक्षा से वंचित कर दिया गया। आरोप है कि फीस बकाया होने के कारण स्कूल प्रशासन ने परीक्षा पर रोक लगाई है। वाराणसी जिले में एक निजी स्कूल में कक्षा चार के छात्र को फीस बकाया होने के चलते अर्धवार्षिक परीक्षा से वंचित कर दिया गया। मात्र दो हजार रुपये बकाया होने पर बच्चे को परीक्षा देने से रोक दिया गया। इसको लेकर अभिभावक ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत कर प्रकरण की जांच करने की मांग की है। ये है पूरा मामला सामने घाट स्थित एक स्कूल में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (फ्ळए) की खुलेआम धज्जियां उड़ाने का आरोप है। कक्षा चार के छात्र शिवम यादव को 2000 रुपये की बकाया फीस के कारण अर्धवार्षिक परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया। छात्र के अभिभावक द्वारा विद्यालय प्रशासन से एक माह का समय मांगा गया था, लेकिन उसे अस्वीकार कर दिया गया।

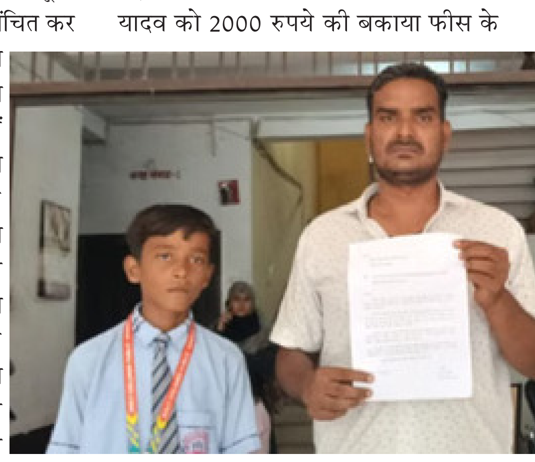

अभिभावक ने बताया कि सालाना 6000 रुपये फीस जमा करने के बाद केवल जनवरी माह का 2000 रुपये बकाया था, जिसके कारण स्कूल ने यह कठोर निर्णय लिया। मामले की लिखित शिकायत बेसिक शिक्षा अधिकारी वाराणसी को दी गई है। मांग की गई है कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर विद्यालय प्रशासन पर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य छात्र के साथ इस तरह का अन्याय न हो। बीएसए भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस मामले संज्ञान में है। अभिभावक की शिकायत पर नियमानुसार जांच की जाएगी।

देश के विकास में हिन्दी की भूमिका विषय पर साहित्यिक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि रण विजय सिंह, पूर्व प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक,पूर्वोत्तर रेलवे

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर राजभाषा सप्ताह समारोह-2025 का आयोजन 18 से 23 सितम्बर,2025 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में 18 सितम्बर,2025 को उप मुख्य राजभाषा अधिकारी की अध्यक्षता में रेलवे अधिकारी क्लब,गोरखपुर में देश के विकास में हिन्दी की भूमिका विषय पर साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारम्भ उप मुख्य राजभाषा अधिकारी मोहम्मद याकूब शेख ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये उप मुख्य राजभाषा अधिकारी मोहम्मद याकूब शेख ने कहा कि 14 सितम्बर,1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में घोषित किये जाने के उपलक्ष्य में केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में हिन्दी दिवस मनाये जाने का प्रावधान है। इस वर्ष हिन्दी दिवस का शुभारम्भ एवं पांचवा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन गांधी नगर,गुजरात में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर सचिव/ राजभाषा विभाग श्रीमती अंष्धुली

आर्य द्वारा गोरखपुर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को प्रशंसनीय श्रेणी का पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्वाधीन देश के लिये जो महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का है, वीं उसकी राजभाषा का है। इस रेल पर शासकीय कामकाज का निष्पादन राजभाषा हिन्दी के माध्यम से किया जा रहा है। यह रेल संविधान के अनुच्छेद 351 की मूल भावना का समादर करते हुए समादर करते हुये समस्त भारतीय भाषाओं का सम्मान करती आयी है। हिन्दी दिवस समस्त भारतीय भाषाओं का दिवस है और हमारी गौरवशाली परम्परा का परिचायक भी है। इस रेल पर हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में साहित्यकारों की जयन्तियाँ व कवि सम्मेलन आयोजित किये जाने की सुदृढ़ परम्परा रही है। इसी कड़ी में पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय द्वारा 18 सितम्बर से 23 सितम्बर तक राजभाषा सप्ताह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हर वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रभाषा किसी भी देश की पहचान और गौरव होती है। इसके प्रति अपना प्रेम और सम्मान प्रकट करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक साक्षर से निरक्षर तक प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिन्दी भाषा को आसानी से समझ लेता है। यही इस भाषा की पहचान है। इस वर्ष मुख्यालय में 18 सितम्बर से 23 सितम्बर तक राजभाषा सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस दौरान 19 सितम्बर को स्वास्थ्य संगोष्ठी, 20 सितम्बर को रेलवे स्कूल के बच्चों के लिये वाक/ स्लोगन/पेंटिंग प्रतियोगिता, 22 सितम्बर को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये क्विज प्रतियोगितायें एवं 23 सितम्बर,2025 को कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। रेलकर्मी इन समस्त आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर राजभाषा के कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपना सहयोग दें, ताकि राजभाषा के प्रचार-प्रसार को अधिक गति मिलेगी। आमंत्रित वक्ता पूर्व मुख्य परिचालन प्रबन्धक श्री रण विजय सिंह ने ह्यह्यदेश के विकास में हिन्दी की भूमिकाह्यह्य पर विचार व्यक्त करते हुये कहा कि हिन्दी की दशा और दिशा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने देश के विकास में हिन्दी की भूमिका को ध्यान में रखते हुये सरल शब्दों में विस्तार से सभी पहलुओं पर चर्चा की और कहा कि हिन्दी वैश्विक फलक पर देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। आमंत्रित वक्ता पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग श्री सतीश चन्द, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया श्री आद्या प्रसाद द्विवेदी ने देश के विकास में हिन्दी की भूमिका विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि बिना निज भाषा के उन्नति के देश का विकास सम्भव नही है। आज हिन्दी देश के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

हर तरफ चोर का शोर दौड़ रही पुलिस पर कई सूचनाएं झूठी

बस्ती। जिले में चोरी से ज्यादा अफवाहों और फर्जी सूचनाओं का शोर सुनाई दे रहा है। पुलिस कभी इस गांव तो कभी उस गांव पूरी रात दौड़ रही है। लेकिन कई मामले फर्जी मिल रहे हैं। रुधौली थाना क्षेत्र के अमिया गांव में मंगलवार देर रात महिला ललिता उपाध्याय ने 112 पर कॉल कर घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी होने की सूचना दी। सीओ स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस को घटनाक्रम संदिग्ध लगा। सख्ती से पूछताछ करने पर महिला ने कबूल किया कि उसका पति दिल्ली में रहकर केवल एक-दो हजार रुपये भेजता है। पति को घर बुलाने और दबाव बनाने के लिए उसने चोरी की झूठी कहानी गढ़ी थी। बाद में पुलिस ने घर के चावल के ड्रम से पन्नी में बांधे सभी जेवर बरामद कर लिए। इसी तरह बुधवार की सुबह रुधौली क्षेत्र के पटेहरिया निवासी शिवपूजन मौर्य ने बक्से का ताला टूटने और जेवर चोरी की सूचना पुलिस को दी। जांच में जेवर उसकी पत्नी के पास ही रखे मिले। पुलिस ने दोनों मामलों में फर्जी सूचना देने वालों को गिरफ्तार कर अदालत भेज दिया। वहीं, लालगंज और वाल्टरगंज थानाक्षेत्र में सोशल मीडिया पर चोरी की फर्जी वीडियो वायरल करने वाली तीन महिलाओं का भी भंडाफोड़ हुआ है। इन महिलाओं ने व्यूज बढ़ाने और लाइक्स पाने की चाहत में घटनाएं गढ़ीं, लेकिन जब पुलिस ने सख्ती की तो लोगों से माफी मांग रही है।

लापरवाही में रोडवेज के तीन संविदा चालकों की सेवा समाप्त

बस्ती। रोडवेज बस्ती डिपो के एआरएम आयुष भटनागर ने लंबे समय से ड्यूटी न करने वाले तीन चालकों की संविदा समाप्त कर दी है। यह कार्रवाई वरिष्ठ केंद्र प्रभारी की रिपोर्ट पर की गई है। इससे रोडवेज में चालकों का संकट फिर गहराएगा। रिपोर्ट के अनुसार संविदा चालक रूपपाल, आलोक मिश्र और अरविंद कुमार लंबे समय से ड्यूटी से नदारद चल रहे थे। एआरएम आयुष भटनागर ने बताया कि तीनों चालकों को अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय दिया गया। मगर वे न तो हाजिर हुए और न ही संतोषजनक जवाब दिया। लिहाजा संविदा सूची से नाम खारिज करने के निर्देश दिए गए हैं। बर्खास्त संविदा चालकों के स्थान पर नए चालक रखे जाएंगे। वहीं, तीन चालकों की कमी से अब और संकट गहराएगा। रोडवेज पहले से ही चालकों की कमी से जूझ रहा है।

रात भर जागते रहे, भोर में सोए तो जेवरात-विदेशी मुद्रा ले उड़े चोर

बस्ती। पुलिस की सख्ती और ग्रामीणों की चौकसी के बाद भी चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार की रात थाना हरैया क्षेत्र के बसेवा राय गांव का है। परिवार के लोग पूरी रात पहरेदारी करते रहे। भोर में सोते ही चोरों ने लाखों के जेवरात और विदेशी मुद्रा पार कर दी। गांव निवासी चिंताराम वर्मा का परिवार चोरों के डर से रातभर जागकर रखवाली कर रहा था। बुधवार की भोर में करीब तीन बजे परिवारजन सो गए। इसी बीच चोरों ने मौका पाकर मेन दरवाजे से भीतर घुसकर आलमारी और बॉक्स तोड़कर लाखों के जेवर, कीमती सामान और करीब एक हजार दिनार विदेशी मुद्रा उड़ा ले गए। सुबह देर तक परिवार के न जागने पर पड़ोसियों ने उन्हें उठाया, तब चोरी का खुलासा हुआ। पीड़ित परिवार का आरोप है कि चोरों ने संभवतः कोई रसायन छिड़क कर उन्हें बेहोश कर दिया, तभी घटना का उन्हें आभास तक नहीं हुआ। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सुराग जुटाने का प्रयास किया। प्रथम दृष्टया दरवाजे की कुंडी और सिटकनी खुली होने से घटना को लेकर संदेह की स्थिति बनी हुई है।

लाइफटाइम क्रेडिट कार्ड का झांसा देकर 97 हजार की ठगी

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक नया मामला सामने आया है। आरोप है कि खुद को बैंक कर्मचारी बताकर ठगों ने खाते से 97 हजार 611.93 रुपये उड़ा लिए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बुधवार को केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। नगर पंचायत रुधौली निवासी रमेश चंद्र गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके मोबाइल पर दो सितंबर की सुबह करीब 10:23 बजे कॉल आया। कॉलर ने खुद को आईसीआईसीआई बैंक का कर्मचारी बताया और लाइफटाइम फ्री क्रेडिट कार्ड देने झांसा दिया। इसके बाद व्हाट्सएप नंबर पर एक लिंक भेजा और उसे खोलकर फॉर्म भरने को कहा। पीड़ित ने बताए गए अनुसार फॉर्म भर दिया, जिसके बाद उनके क्रेडिट कार्ड से 97,611.93 रुपये कट गए। जांच में सामने आया कि यह राशि मार्डन खान नामक व्यक्ति के खाते में स्थानांतरित की गई है। एसपी के आदेश पर थाना रुधौली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एसएचओ विजय कुमार दुबे का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

डिजिटल लाइब्रेरी से पूरे होंगे विद्यार्थियों के सपने

बस्ती। अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता मनीष मिश्रा और संचालन अखिल भारतीय ख्याति प्राप्त संस्थान के संस्थापक राकेश यादव ने किया। वक्ताओं ने कहा कि मुक्त डिजिटल लाइब्रेरी के जरिये विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। कार्यक्रम में मनीष मिश्रा को उनके अद्वितीय सामाजिक कार्यों और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के वंचित वर्ग, बच्चों, महिलाओं तथा युवाओं के उत्थान के लिए सतत कार्य कर एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। मनीष मिश्रा ने बस्ती के छात्रों को एक बड़ी सौगात भी दी। इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य देशभर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ और किफायती बनाना है। बस्ती में इस विशेष पहल की शुरू आत एक मजबूत कदम है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, शिक्षाविद और समाजसेवी मौजूद रहे। सभी ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे बस्ती की शिक्षा व्यवस्था के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। 10वीं और 11 व 12वीं, स्नातक के मेधावी छात्र-छात्राओं को बेहतर प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया गया।

चौकी इंचार्ज के खिलाफ प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आरके आरतियन को न्याय की मांग उठाने पर जेल भेजे जाने पर बुधवार को आम आदमी पार्टी और कई सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। बाद में प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सिविल लाइंस चौकी इंचार्ज को निलंबित कर गैर जनपद स्थानांतरित करने और केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। बहुजन मुक्ति पार्टी मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम ने चेतावनी दी कि यदि 25 सितंबर तक कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा।

'मक्खन लगाया जाता था', धोनी-पठान हुक्का विवाद में कूदे मनोज तिवारी, खोले कई नए राज

नई दिल्ली, अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने धोनी के कथित 'हुक्का सेशंस' को लेकर बड़ा बयान दिया है। आइए जानते हैं कि तिवारी ने क्या खुलासा किया है... भारतीय क्रिकेट में टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम कल्चर को लेकर एक बार फिर से पुराना विवाद ताजा हो गया है। हाल ही में पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का एक पुराना बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि वह धोनी के कमरे में जाकर हुक्का नहीं लगाते थे और इस वजह से उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने धोनी के कथित 'हुक्का सेशंस' को लेकर बड़ा बयान दिया है। तिवारी ने भी खुलासा किया है कि इस दौर में कुछ खिलाड़ी धोनी के करीब होने के लिए उनके कमरे में होने वाले हुक्का सेशंस में शामिल होते थे। मनोज तिवारी का खुलासा मनोज तिवारी ने एक स्पोर्ट्स वेबसाइट से बातचीत में कहा, 'हमने खुद नजदीक से ये सब देखा है।'

लखनऊ विश्वविद्यालय में एबीवीपी का विरोध प्रदर्शन, रैगिंग पर जताई नाराजगी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय गेट नंबर-1 पर एबीवीपी

कार्यकताओं और आम छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। अपनी मांगों को लेकर छात्रों ने नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने रैगिंग और राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थी अमन दुबे के खिलाफ मोर्चा खोला। कुलानुशासक पर भेदभाव का आरोप लगाया। प्रदर्शन कर रहे है एबीवीपी के आक्रोशित छात्रों ने शोधार्थी पर रैगिंग का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में यूजीसी के एंटी रैगिंग पोर्टल समेत विवि के कुलानुशासक कार्यालय में भी शिकायत की थी। मगर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। इस मामले को लेकर बीते दिनों शोधार्थी और शिकायतकर्ता के बीच मारपीट हुई। प्रदर्शनकारी छात्रों ने बताया कि घटना के बाद शोधार्थी छात्र ने उल्टा शिकायतकर्ता समेत कई अन्य छात्रों पर मुकदमा दर्ज करा दिया। छात्रों ने कहा कि इससे विश्वविद्यालय का माहौल खराब हो रहा है। पीड़ित छात्र को आरोपी बनाया जा रहा है। इस घटना के बाद तमाम छात्रों में आक्रोश है। छात्रों ने शोधार्थी के निलंबन और निष्कासन की मांग करते हुए विरोध किया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी की अगुआई में प्रॉक्टोरियल बोर्ड मुलाकात करके समझने की कोशिश की मगर छात्र अपनी मांगों को लेकर डटे रहे।

हर मुश्किल वक्त में मुसलमान सबसे पहले आया: असद उमर

लखनऊ (संवाददाता)। पंजाब जम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आई भीषण बाढ़ से हालात बेहद खराब है ऐसे कठिन समय में वहां के लोगों की मदद के लिए न सिर्फ मस्जिदों से ऐलान हो रहे हैं बल्कि क्षेत्र के मुसलमान घर-घर जाकर राहत सामग्री जुटा रहे हैं। इसी सिलसिले में पीस एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा लखनऊ टीम के लिए आज 114 ईसाफ नगर इंदिरा नगर लखनऊ द्वारा हम माटी के लोग के सदर जनाब असद उमर साहब की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के तमाम संभ्रांत एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने बैठक में भाग लेकर बाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए। लखनऊ टीम के संस्थापक सदस्य एवं सेक्रेटरी जन्म मूर्ति एवं इंसानियत वेलफेयर सोसाइटी के जनक कुदरत उल्लाह ने टीम लखनऊ की ओर से की जा रही गतिविधियों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई। जब कुदरत उल्लाह ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार 12 दिनों तक राहत और बचाव कार्य सक्रिय रहने वाले अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष फैसल हसन खान के अनुभव को साझा करते हुए लोगों से अपील की कि अभी पंजाब में राहत कार्य करने की बहुत आवश्यकता है। टीम लखनऊ के सेक्रेटरी जनाब मुर्तजा अली ने शहर के अंदर लगाए गए स्टालों एवं कैंपों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि लखनऊ टीम ने पांच हजार पीढ़ी परिवारों को किट देने का निर्णय लिया है अगर लखनऊ का प्रत्येक व्यक्ति एक रुपया भी दे तो यह काम हमारे लिए आसान हो जाएगा। बैठक को एडवोकेट जनाब सईद आरिफ, पीसी कुरील, राज कुमार, मौलाना असलउद्दीन, मोहम्मद आसिफ किदवई, अवध पैलेस के मोहम्मद इमरान ने संबोधित किया।

संक्षिप्त खबरें

बिना साक्षात्कार डॉक्टर का चयन, जांच कमेटी का गठन

लखनऊ (संवाददाता)। कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में बिना साक्षात्कार डॉक्टर के चयन मामले में समिति बना दी गई है। चार सदस्यीय समिति जांच के बाद रिपोर्ट दाखिल करेगी। कार्यकारी कुलसचिव को तत्काल हटा दिया गया था और कुलसचिव कार्यालय में तैनात वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक का तबादला किया गया था। कैंसर संस्थान में 96 चिकित्सकों की भर्ती का विज्ञापन निकाला गया था। अगस्त के अंत में साक्षात्कार होने के बाद चार सितंबर को चयनित डॉक्टरों की सूची जारी की गई थी। एनेस्थीसिया विभाग में छह डॉक्टरों का चयन हुआ था। चयनित चिकित्सकों की सूची में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर डॉ. श्वेता अग्रवाल का नाम शामिल था, वे साक्षात्कार में शामिल ही नहीं हुई थीं। इस पर संस्थान प्रशासन का कहना था कि दूसरे अभ्यर्थी का चयन किया गया था, लेकिन नाम एक होने से गलती हो गई। सुधार लिया गया। इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट ने बताया कि रिजल्ट में संशोधन कर दिया गया है। जांच के लिए सीएमएस डॉ. विजयेंद्र कुमार की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति बनाई गई है जिसमें चिकित्सा अधीक्षक, कुलसचिव और मैटेरियल मैनेजमेंट विभाग के प्रमुख को शामिल किया गया है।

दो साल पुरानी शिकायत पर नपा आरटीओ दफ्तर का बाबू

लखनऊ (संवाददाता)। बाराबंकी में दो साल पहले हुई शिकायत की जांच में दोषी पाए जाने पर ट्रांसपोर्ट नगर सम्भागीय परिवहन कार्यालय आरटीओ में तैनात बाबू श्रवण कुमार सिंह को निलंबित कर दिया गया है। मामले को लेकर अन्य बाबू परिवहन आयुक्त से मुलाकात करने की तैयारी में हैं। श्रवण कुमार सिंह ट्रांसपोर्ट नगर आरटीओ में काउंटर नंबर आठ पर तैनात थे जिनके जिम्मे वाहनों के ट्रांसफर से संबंधित कार्य था। उन्हें परिवहन विभाग मुख्यालय ने सस्पेंड कर दिया है। बताया गया हैं कि दो साल पहले जब वह बाराबंकी में तैनात थे, तो वाहनों से संबंधित कार्यों को लेकर एक आवेदक से कहासुनी हो गई थी। आवेदक ने शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की थी।मुख्यालय की ओर से कराई गई जांच में शिकायत की पुष्टि के बाद उन्हें निलंबित किया गया है।

कुकरैल नाले में हादसा,टर्निंग पॉइंट पर कार अनकंट्रोल हुई, ड्राइवर बचा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कर अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए कुकरैल नाले में जा गिरी। कार सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना गुरुवार सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। गाड़ी टर्न करने के दौरान अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और 50 फीट गहरे नाले में कार सहित गिर गया। कार सवार गोमतीनगर की तरफ से विकास नगर की कार चालक जा था। मेरीडियन स्कूल के आगे पहुंचा था तभी टर्निंग पॉइंट पर उसका संतुलन बिगड़ गया और रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरा। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके से पहुंची ने रेस्क्यू करके उसको बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। चौकी प्रभारी सर्वोदय नगर सौरभ ने बताया गोमतीनगर निवासी आयुष सिंह (28) यस बैंक में कार्यरत हैं। जानकीपुरम ब्रांच में तैनाती है। गुरुवार को अपनी मामा की इयोन कार से ऑफिस जा रहा था। तभी अचानक से अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिर गया। इसके बाद पिता अभय को सूचना दी गई थी। वह इलाज के बाद आयुष को घर ले गए। मामूली चोट आई थी।

चुनाव आयोग की चुप्पी सत्ता की मिलीभगत का प्रमाण है: लोकदल

लखनऊ (संवाददाता)। लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने अपने बयान में कहा है कि राहुल गांधी द्वारा देशभर में हुए वोट चोरी के सनसनीखेज खुलासे ने साबित कर दिया है कि लोकतंत्र को सत्ता के लालच में खुलेआम लूटा जा रहा है। यह केवल धांधली नहीं, बल्कि जनता की आंखों के सामने भारत के लोकतंत्र की हत्या है। चुनाव आयोग कटघरे में है-चुनाव आयोग संस्था को लोकतंत्र का प्रहरी कहा जाता है, वही सत्ता के दबाव में गूंगा और अंधा बना बैठा है। अगर चुनाव आयोग की रीढ़ बची है, तो उसे तुरंत इस घोटाले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में करानी चाहिए। जनता का जनादेश चुराने वालों को सजा मिले द यह कोई तकनीकी गलती या साधारण त्रुटि नहीं, बल्कि संगठित अपराध है। इसमें शामिल अधिकारियों और दलालों को जेल की सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए। श्री सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा है कि चुनाव आयोग की चुप्पी सत्ता की मिलीभगत का प्रमाण है। अगर वोट चोरी रोकी नहीं गई तो देश की जनता का विश्वास चुनावी प्रक्रिया से उठ जाएगा और इसकी जिम्मेदारी सीधे चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की होगी।

नवयुग कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने स्टडी हॉल का शैक्षिक भ्रमण किया

लखनऊ (संवाददाता)। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय के बीएड विभाग तथा एसडी जीएस समिति के संयुक्त तत्वाधान में गोमती नगर स्थित स्टडी हॉल के दोस्ती विंग के दिव्यांग विद्यार्थियोंके द्वारा अध्ययन करने हेतु एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस विजिट में बी0,ड0 विभाग के प्रथम सेमेस्टर तथा एसडीजीएस समिति के विद्यार्थियों द्वारा सक्रिय सहभागिता की गई। महाविद्यालय की इन छात्राओं द्वारा वहाँ के विशेष बच्चों के प्रोत्साहन हेतु कुछ उपहार जैसे ड्राइंग बुक, कलर्स एवं जलपान सामग्री इत्यादि प्रदान किए गए। इस शैक्षिक भ्रमण में महाविद्यालय की बीएड विभाग की प्रोफेसर रशीदा खातून, प्रोफेसर सरिता कनौजिया, प्रोफेसर निशी गुप्ता,तथा एसडीजीएस समिति के सदस्य डॉक्टर सोनल अग्रवाल, डॉ बिमल बिंद, डॉक्टर स्नेहा चौधरी उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्रवक्ताओं द्वारा भी दिव्यांग बच्चों के प्रोत्साहन हेतु कुछ उपहार प्रदान किए गए। उक्त शैक्षिक भ्रमण के माध्यम से छात्राओं ने विशेष बच्चों को करीब से देखा निरीक्षण किया तथा नवीन अनुभव प्राप्त किया यह अनुभव छात्राओं के भावी जीवन में विशेष बच्चों के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करने में विशेष सहायक होंगे इस भ्रमण के सफल आयोजन में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय का विशेष योगदान रहा, जिनके सराहनीय सहयोग से ही भ्रमण कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सका।

महोबा में वोटर लिस्ट में बड़ा घोटाला, एक मकान में चार हजार वोटर

लखनऊ (संवाददाता)। महोबा जिले में वोटर लिस्ट में बड़ी गड़बड़ी का खुलासा हुआ है।जांच शुरू हो गई है, जिम्मेदार अब नपेंगे। यहां कुलपहाड़ तहसील की ग्राम पंचायत जैतपुर और पनवाड़ी में मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी उजागर हुई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्य के दौरान पता चला कि एक ही मकान नंबर पर हजारों मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। जैतपुर ग्राम पंचायत के मकान संख्या 803 में 4271 मतदाताओं के नाम दर्ज पाए गए। पनवाड़ी ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 13, बजनापुरा में मकान नंबर 996 पर 243 मतदाता और मकान नंबर 997 पर 185 मतदाता दर्ज मिले। एक ही मकान नंबर पर इतने मतदाताओं के नाम होना स्थानीय निर्वाचन कर्मियों की बड़ी लापरवाही को दर्शाती है। अधिकारियों ने इसे लिपिकीय त्रुटि बताया। अधिकारियों के मुताबिक गलती 2021 में हुए मतदाता पुनरीक्षण कार्य के दौरान हुई थी।एडीएम कुंवर पंकज कहते हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर घरों के अलग-अलग मकान नंबर नहीं होते, ऐसे में कई बार त्रुटिवश एक ही मकान संख्या कई मतदाताओं को दे दी जाती है। मतदाता पुनरीक्षण कार्य चल रहा है और इस तरह की गड़बड़ियों को सही कराया जा रहा है।बीएलओ यानि बूथ लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर वोटर लिस्ट की जांच कर रहे हैं, नाम जोड़े और काटे जा रहे हैं। मतदाता सूची को अपडेट कर दिया जाएगा।इस गड़बड़ी की पूरी जांच कराई जाएगी और जिम्मेदार लापरवाह कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

एलडीए में जनता अदालत का आयोजन,प्लॉट पर कब्जे के लिए दिल्ली से दौड़ रहा फरियादी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण में जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए जनता अदालत का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में फरियादी अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। जहां मौके पर अफसरों ने उसकी शिकायत सुन कर जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। दिल्ली के वेस्ट पटेल नगर के रहने वाले चार्ल्स खन्ना ने बताया कि उनकी माता ज्योति खन्ना ने गोमती नगर विस्तार सेक्टर 4 में 2003 में प्लाट खरीदा था। लखनऊ विकास प्राधिकरण से खरीदे गए प्लाट की रजिस्ट्री 2008 में हुई थी। उसके बाद से लगातार प्लॉट पर कब्जा करने के लिए अफसर से गुहार लगा रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पहले शुरूआती सालों में टालमटोल करते रहे। जनता अदालत समाधान दिवस सहित कई जगह गुहार लगा चुके हैं पर कोई फायदा नहीं मिला। अब आज प्राधिकरण के अवसर बता रहे हैं कि वह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया है। उसका नतीजा आने के बाद ही निर्णय होगा। उन्होंने बताया कि वह दिल्ली से हर बार प्लॉट पर कब्जे की गुहार लगाने के लिए आते हैं। जनता अदालत में आए फरियादी दयाशंकर गुप्ता ने बताया कि गोमती नगर विश्वास खंड में 2004 में लखनऊ विकास पालिका से रजिस्ट्री करवाई थी एक भूखंड की। इसके बाद उनके करीबी रिश्तेदार में किसी फर्जी आदमी को खड़ा करके रजिस्ट्री करवा ली। इस मामले की शिकायत कई बार जनता अदालत जो समाधान दिवस में की गई। जिस पर तत्कालीन मंडल आयुक्त रोशन जैकब में करीब 6 महीने पहले एफआईआर के आदेश दिए थे।

मलेशिया गांव अवैध कब्जे पर एलडीए की कार्रवाई का विरोध, पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की टीम का अवैध कब्जेदारों ने जमकर विरोध किया। एलडीए के बुलडोजर को देखकर 12-15 लोग छत पर चढ़ गए। महिलाओं ने खुद को घरों में अंदर से बंद करके हंगामा शुरू कर दिया। कब्जेदारों की एलडीए और पुलिस टीम से जमकर नोकझोंक हुई। इस दौरान एक लड़की बेहोश हो गई। एलडीए और पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। इस लोग शांत हुए और एलडीए टीम ने अवैध निर्माण तोड़ना शुरू किया। मामला गोमती नगर विस्तार के मलेशिया गांव का है। एलडीए अधिकारियों का कहना है कि प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा करके 8 परिवार रहता है। उसे तोड़ा जा रहा है। कार्रवाई का विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि एलडीए टीम बिना किसी नोटिस के कार्रवाई कर रही है। आज दोपहर में जैसे ही एलडीए की टीम बुलडोजर के साथ मलेशिया मऊ में दाखिल हुई। मोहल्ले में अफरातफरी मच गई। लोग घरों से बाहर निकल आए। अवैध रूप से प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा जमाए लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते-देखते हंगामा करने लगे।विरोध को देखते हुए पुलिस ने मोर्चा संभाला और लोगों को समझाने की कोशिश की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अवैध कब्जेदार मोहम्मद सलीम और उनके परिजन छत से नीचे उतरे। इसके बाद एलडीए ने अवैध निर्माण तोड़ना शुरू किया। एलडीए के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि मलेशिया मऊ में प्राधिकरण की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके 8 परिवार रहता है। कब्जेदारों ने पक्का निर्माण कर लिया है। उन्हें सालभर में कई बार नोटिस देकर कब्जा हटाने को कहा गया, लेकिन उन लोगों ने उसे नजरअंदाज कर दिया। इस पर डुगडुगी बजवाकर कब्जा हटाने के लिए कहा गया। कब्जेदार फिर भी नहीं माने, इस पर आज बुलडोजर से अवैध निर्माण तोड़ा जा रहा है। प्रभाकर सिंह ने बताया कि जमीन पर कब्जा होने से प्राधिकरण की विकास योजनाएं बाधित हो रही हैं। सड़क निर्माण, सीवर लाइन और अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाएं समय से शुरू नहीं हो पा रही हैं। ऐसे में एलडीए ने सख्ती दिखाने का निर्णय लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एलडीए ने जिला प्रशासन से मदद मांगी है।

श्री सत्य साई प्रेम प्रवाहिनी रथ यात्रा का लखनऊ में भव्य स्वागत

लखनऊ (संवाददाता)। भगवान श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रशांति निलयम, आंध्र प्रदेश से निकली प्रेम प्रवाहिनी रथ यात्रा का लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में भव्य स्वागत किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में शहर भर के साईं भक्तों और गणमान्य व्यक्तियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यह यात्रा केवल भौतिक नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक संदेश लेकर निकली है, जो पूरे देश में प्रेम, सेवा और करुणा की भावना को जागृत कर रही है।16 सितंबर को आशियाना स्थित शहनाई लॉन में रथ यात्रा का आगमन ढोल-नगाड़ों, शंख ध्वनि और पुष्प वर्षा के साथ हुआ। श्री सत्य साईं सेवा संगठन के पदाधिकारियों, भक्तों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक क्षण को और भी यादगार बना दिया। इस अवसर पर भक्तों द्वारा अपने घरों से लाए गए 108 प्रकार के व्यंजनों का भगवान को भोग लगाया गया।शाम को आशियाना क्षेत्र में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त और महिलाएं कलश लेकर चल रही थीं। शाम के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भजन संध्या, बाल विकास बच्चों का कार्यक्रम और श्रीमती सुमन मिश्रा द्वारा निर्देशित मनमोहक कठपुतली शो ष्छेपी नाडू चेस ताराष शामिल थे। बच्चों द्वारा प्रस्तुत डांस ड्रामा ष्चारों युगों में अवतार लीलाष ने दर्शकों का मन मोह लिया।दूसरे दिन की शुरूआत सुबह 5.20 बजे ओम्कारम्, सुप्रभातम् और नगर संकीर्तन के साथ हुई। इसके बाद रथ को संगठन द्वारा गोद लिए गए गांवों चिल्लावन और रहीमाबाद ले जाया गया, जहाँ ग्रामवासियों ने बड़ी गर्मजोशी से रथ का स्वागत किया। यह यात्रा इस बात का प्रतीक है कि सेवा और आध्यात्मिकता किसी भौगोलिक सीमा तक सीमित नहीं है। यह प्रेम प्रवाहिनी रथ यात्रा एक सार्वभौमिक संदेश देती है कि धर्म, जाति, भाषा और राष्ट्र भिन्न हो सकते हैं, लेकिन सभी में एक ही ईश्वर का अंश है। इसका मुख्य उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप की पहचान कराना है, जो निस्वार्थ प्रेम और सेवा पर आधारित है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में अमिताभ सरन, संजय तिवारी, देवेंद्र गर्ग, सुनील गुप्ता, अजय कपूर, गोविंद मेहरोत्रा, डॉ. राकेश गुप्ता और अन्य पदाधिकारी व भक्तगण शामिल थे। इस सफल आयोजन ने न केवल साईं भक्तों को एकजुट किया, बल्कि पूरे समुदाय को प्रेम, सेवा और भाईचारे के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। लखनऊ से यात्रा का प्रस्थान 23 सितंबर को होगा। उपरोक्त समस्त कार्यक्रम के अवसर पर सत्य साईं संगठन के अनेक पदाधिकारी, साईं भक्त एवं गणमान्य व्यक्ति, अमिताभ सरन, संजय तिवारी, देवेंद्र गर्ग, सुनील गुप्ता, अजय कपूर, गोविंद मेहरोत्रा, डाक्टर राकेश गुप्ता, विनोद बाजपेई, रविन्द्र खत्री, सुनील यादव,अंकित श्रीवास्तव, श्रीमती कविता भटनागर, छाया गर्ग, डाक्टर सुधा राव, डाक्टर मृदुला श्रीवास्तव, नीरू मेहरोत्रा, वीना गुप्ता, मनीषा बाजपेई, सुजैन खत्री, गीता रानी गुप्ता मौजूद थी।

पुजारी बोले, भूमाफिया ने बंधक बनाकर पीटा,लव-जिहाद पीड़िता ने सुनाई आपबीती

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यालय पर प्रेसवार्ता हुई। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने प्रेसवार्ता करके कहा कि देशभर में लव जिहाद का एक बड़ा संगठित नेटवर्क चल रहा है। जिसमें पड़े पैमाने पर इस समय केरल में लव जहाज की घटनाएं सामने आ रही है। प्रेसवार्ता में पहुंचे राजाजीपुरम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भूमाफियाओं पर गंभीर आरोप लगाए। राजाजीपुरम स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने रोते हुए कहा कि उनके ऊपर लगातार जानलेवा हमला हो रहा है। इन्होंने बताया कि मनोज पांडे नाम का व्यक्ति है जो अपने आप को सपा का नेता कहता है। वह कुछ गुंडों के साथ लगातार मारपीट करके उन्हें मंदिर से हटाने का दबाव बना रहा है। उसने मंदिर में रखे भगवान जेवर और कैश चोरी कर लिया। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बताया कि लगभग डेढ़ लाख के जेवर चोरी हुए और 50 हजार रुपए नकद लेकर गए। जेवर में राधा-कृष्ण की बांसुरी भी शामिल थी। इस घटना को अंजाम देने के बाद इन लोगों ने बंधक बनाकर पीटा। इसके अलावा कई बार रास्ता रोककर जान से मारने की धमकी दिया। मंदिर से निकलना मुश्किल हो गया है। यह सभी लोग मंदिर की जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। इसमें कई ऐसे अपराधी गतिविधि के लोग शामिल हैं जो वहां पर नशे का कारोबार करना चाहते हैं। जब इसका विरोध किया तो वह हमारी जान लेने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से हाथ जोड़कर निवेदन है कि हमें न्याय दें। आईजीआरएस पे शिकायत दर्ज करवा दी है पुलिस से कई बार कहने के बाद भी मदद नहीं मिली। प्रेसवार्ता में पहुंची कैंट की युवती ने सलमान नाम के युवक पर लव जिहाद का आरोप लगाया। उसने ने बताया कि 10 साल पहले सलमान ने पहचान छिपाकर दोस्ती की फिर उसके बाद प्रेमजाल में फसाया। हमारा शारीरिक और आर्थिक शोषण किया।

यूपी में 16 आईपीएस अफसरों के तबादले, अशोक कुमार मीना बने हरदोई के नए कप्तान

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने त्योहारों से पहले पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुये दस जिलों के कप्तान समेत भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 16 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। गुरुवार को जारी तबादला सूची के अनुसार आजमगढ़, देवरिया, अलीगढ़, उन्नाव, कुशीनगर, प्रतापगढ़, औरैया, सोनभद्र , हरदोई, अंबेडकरनगर के पुलिस अधीक्षक बदल दिए गये हैं। पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा, लखनऊ में तैनात जय प्रकाश सिंह को उन्नाव का एसपी बनाया गया है। अलीगढ़ के एसएसपी संजीव सुमन को देवरिया का एसपी बनाया गया है। हरदोई के एसपी नीरज कुमार जादौन को अलीगढ़ का एसएसपी बनाया गया है। सोनभद्र के एसपी अशोक कुमार मीना को पुलिस अधीक्षक, हरदोई की जिम्मेदारी मिली है। एसपी, रेलवे आगरा में तैनात अभिषेक वर्मा को सोनभद्र का एसपी बनाया गया है ।एसपी, उन्नाव दीपक भूकर को प्रतापगढ़ का एसपी बनाया गया है। एसपी, प्रतापगढ़ डॉ अनिल कुमार-।। को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़ बनाया गया है। अंबेडकरनगर के एसपी केशव कुमार को कुशीनगर का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। औरैया के पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर को पुलिस अधीक्षक, अंबेडकरनगर बनाया गया है। प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त अभिषेक भारती को औरैया का एसपी बनाया गया है ।वहीं दूसरी ओर आजमगढ़ के एसएसपी हेमराज मीना को पुलिस अधीक्षक, सम्बद्ध, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० भेजा गया है। कुशीनगर के एसपी संतोष कुमार मिश्रा को पुलिस अधीक्षक, सम्बद्ध, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र भेजा गया है। देवरिया के एसपी विक्रांत वीर को पुलिस अधीक्षक, सम्बद्ध, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक भेजा गया है। प्रयागराज में 4 वाहिनी पीएसी में सेनानायक मनीष कुमार शांडिल्य को प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त की जिम्मेदारी मिली है। पुलिस अधीक्षक,अपर पुलिस अधीक्षक, बलिया के रूप में तैनात अनिल कुमार झा को पुलिस अधीक्षक, रेलवे आगरा बनाया गया है। सेनानायक और उपसेनानायक, 27वीं वाहिनी पीएसी, सीतापुर में तैनात सर्वेश कुमार मिश्रा को सेनानायक, 04 वाहिनी पीएसी, प्रयागराज बनाया गया है।

धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर सजेगी सुर साधना

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पर्यटकों के साथ-साथ आम लोगों को भी लोक कलाओं की तरफ आकर्षित करने की कवायद संस्कृति विभाग ने शुरू की है। चयनित धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर शनिवार व रविवार को लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी।संस्कृति विभाग 27 सितंबर से सुर साधना की शुरूआत करेगा। संस्कृति विभाग ने सुर साधना के लिए प्रदेश के दो दर्जन स्थानों का चयन किया है,जहां लोकगायन, भजन-कीर्तन, लोकनृत्यलोकनाट्य, कठपुतली व जादू, शास्त्रीय गायन व वादन, किस्सागोई, दास्तानगोई, काव्य पाठ होगा।पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह कहते हैं, आयोजन में प्रदेश के पंजीकृत लोक कलाकारों को मंच मिलेगा,जिसमें स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता है। उन्हें पांच से 15 हजार तक मानदेय दिया जाएगा।लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क व कुड़िया घाट, सीतापुर में नैमिषारण्य धाम, अयोध्या में राम की पैड़ी, बलरामपुर में देवीपाटन मंदिर, सहारनपुर में मां शाकुंभरी देवी मंदिर, वाराणसी में नया अस्सी घाट, गोरखपुर में रामगढ़ताल भदोही में सीता समाहित स्थल आगरा में बटेश्वर धामविंध्याचल में विंध्यवासिनी देवी मंदिर वृंदावन में प्रेम मंदिर मुजफ्फरनगर में शुक तीर्थहापुड़ में गढ़मुक्तेश्वर मैनपुरी में शीतला माता मंदिर, प्रयागराज में त्रिवेणी घाट, चित्रकूट में रामघाट, झांसी में झांसी का किला मथुरा में कुसुमवन सरोवर, बदायूं में डायट ऑडिटोरियम विकास भवन शामिल हैं।

मिशन 2027: अखिलेश अपना सकते हैं 2012 का फामूर्ला

पहले ही तय कर देंगे उम्मीदवार, पंचायत चुनाव नही असेंबली इलेक्शन टारगेट

लखनऊ (संवाददाता)। सपा चीफ अखिलेश यादव अभी से असेंबली इलेक्शन की तैयारी में जुट गये हैं। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी का बिगुल अभी से बजा दिया है । इस दफा दीपावली पर उम्मीदवारों को तोहफा देने के मूड में हैं। सपा की मंशा है कि 2012 की तरह ही विधानसभा चुनाव से पहले उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाएं ताकि उन्हें जनता के बीच पहुंचने और विजन को अमल में लाने का समय मिले। पार्टी ने साफ कर दिया, टिकट उसी नेता को मिलेगा ,जिसे जनता का भरोसा हासिल हो। उसके नाम पर जिला और प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक सहमति की मुहर हो। गुटबंदी पार्टी को पसंद नहीं है। सपा की श्जय अखिलेश, तय अखिलेशश के नारे के साथ मैदान में उतरने की तैयारी है।सपा के भीतर पंचायत चुनावों को लेकर बयानबाजी भले जारी हो लेकिन पार्टी का असली लक्ष्य 2027 विधानसभा चुनाव है । सपा का मानना है कि पंचायत चुनाव में एक ही पद के लिए पार्टी के कई दावेदार उतरते हैं, जिससे गुटबंदी बढ़ती है और नुकसान बड़े चुनावों में उठाना पड़ता है। सपा शायद ही पंचायत चुनाव में सीधे तौर पर उम्मीदवार उतारे। जिला पंचायत सदस्य चुनाव को लेकर पार्टी विचार कर सकती है। शिवपाल यादव के पंचायत चुनाव न लड़ने के बयान पर पार्टी में सहमति बन रही है। अखिलेश यादव खुद हर जिले से फीडबैक ले रहे हैं और समाज के हर वर्ग के लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। लखनऊ में बैठकों का दौर जारी है। सीटवार उम्मीदवारों को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। दीपावली पर ही कुछ सीटों पर उम्मीदवारों का नाम सामने आ सकता है, जबकि बाकी का ऐलान बिहार विधानसभा चुनाव के बाद किया जाएगा। सपा चाहती है कि उम्मीदवारों को ज्यादा समय मिले ताकि वे जनता के बीच जाकर समर्थन जुटा सकें और पार्टी के एजेंडे को मजबूती से रख सकें।सपा सुप्रीमो का मानना है कि 2012 की तरह समय रहते प्रत्याशियों की घोषणा करने से बगावत को काबू में किया जा सकेगा और उम्मीदवारों को जनता से जुड़ने का मौका मिलेगा। तब पार्टी ने चुनाव से करीब एक साल पहले ही कई टिकट बांट दिए थे और नतीजा सपा को पूर्ण बहुमत की सरकार रहा। 2027 में भी अखिलेश यादव उसी फॉमूर्ले को अपनाना चाहते हैं। 2024 लोकसभा चुनाव की तर्ज पर समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव में पीडीए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समीकरण को जनता की आवाज बनाकर प्रचारित करने की योजना बना रही है। सपा का फामूर्ला भाजपा की राजनीति का सीधा जवाब होगा। श्जय अखिलेश, तय अखिलेश के नारे के साथ सपा दीपावली से ही चुनावी मोर्चा खोलने की तैयारी में है।

सम्पादकीय

श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए वही श्राद्ध है

श्राद्ध कर्म के द्वारा पित्रश्रृण से मुक्त हुआ जा सकता है इससे पितृ-गण वर्ष भर प्रसन्न रहते हैं। जानकी माता सीता द्वारा श्राद्ध की भावपूर्ण कथा प्रचलित हैं-श्री राम जी द्वारा गया जी के रूद्रपद पर पिंडदान किया गया तब दशरथ जी कृतार्थ हुए और उन्हें रुद्रलोक की प्राप्ति हुई थी उन्होंने श्री राम जी को समस्त अयोध्या वासियों सहित बैकुंठ धाम जाने का वर दिया था ।माता सीता द्वारा दिया गया श्राद्ध भोज- एक बार अयोध्या में श्री राम सीता द्वारा श्राद्ध के लिए ब्राह्मण भोज दिया गया, फलस्वरूप दूर दूर से ब्रम्हणों की टोलियां पधारने लगीं। शिव जी को जब श्राद्ध भोजन के संदर्भ में मालुम हुआ तो वे एक वृद्ध ब्राह्मण का रुप रख कर टोली में शामिल होकर अयोध्या पहुंच गए। कहां ष्मुझे भी भोजन कराएं राजन श्री राम जी उन विशिष्ट अतिथि को पहचान गए कि स्वयं शिव शंकर आए हैंलेकिनवहइसदौरान हमारी परीक्षा लेने । श्री राम जी ने बड़े सम्मान पूर्वक वृद्ध ब्राह्मण के चरण धुलाकर आसन पर बैठाया।उनको भोजन परोसा गया ,छोटे भाई लक्ष्मण जो भी परोसते वृद्ध ब्राह्मण एक ही ग्रास में ग्रहण कर लेते पत्तल में कुछ दिखता ही नहीं ,रुकता ही नहीं ,और भी सभासद आ गये जो पत्तल को भरने लग गए पर पत्तल खाली की खाली ही रहती गई।दूर खड़े श्री राम जी शिव जी की लीला देख मन ही मन रोमांचित हो रहे थे । बात फैलते फैलतै राज महल और माता सीता तक पहुंच गई,रसोई का संपूर्ण संचालन एवं नियंत्रण वे ही देख रही थीं। एक बूढा ब्राह्मण आया है ,जिसकी पत्तल मे खाना रुकता ही नहीं ,भोजन सामग्री क्षण भर में साफ हो जाती है । अब यह भोज प्रतिष्ठा का विषय बन गया ,लिए महल का पूरा भोजन और सामग्री समाप्त होने लगी,पर भगवान शिव शंकर तृप्त नहीं हुए। सीता माता चिंतित हो गईं तब श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा पार्वती जी का आवाहन किया कि आप ही भगवान शंकर जी की क्षुधा शांत कर सकती हैं। सभी परोसने वाले वहां से हटा दिये गए,माता अन्नपूर्णा वहां प्रगट हो गईं। श्रीराम जी ने माता अन्नपूर्णा से निवेदन किया कि इन्हें आपके अतिरिक्त और कोई तृप्त नहीं कर सकता है आप ही अपने स्वामी को भोजन कराइये। अन्नपूर्णा माता ने भोजन पात्र अपने हाथ में लिया वैसे ही वह अक्षय पात्र बन गया अन्नपूर्णा माता विश्वनाथ को भोजन कराने लगीं,पत्तल में एक लड्डू परोसा ,शंकर जी खाते खाते तक गये, लड्डू समाप्त नहीं हुआ,माता ने दोबारा परोसना चाहा तो शंकर जी ने मना कर दिया। शंकर जी ने डकार ली और हंसकर कहा-अन्नपूर्णा तुम्हें आना पड़ा,अब मैं तृप्त हो गया ।सीता माता द्वारा श्राद्ध का प्रसंगय- जब उन्होंने साक्षात दशरथ जी को पितृ भोज करते देखा--भगवान श्री कृष्ण से पक्षीराज गरूड़ ने पूछा लोग अपने पितर को मिल कर तरह तरह का भोजन कराते हैं, तो क्या उनके पित्र ,देवलोक से मृत्यु लोक में वह भोजन गृहण करने आते हैं?क्या उन्हें कोई देख सकता है।इसका क्या प्रमाण है । तब श्री कृष्ण जी ने देवी सीता का प्रसंग सुनाया था। माता सीता ने पुष्कर तीर्थ में श्राद्ध किया था तब उन्होंने अपने ससुर सहित तीन पितरों को आमंत्रित ब्राह्मणों के शरीर में देखा था। वह कथा सुने- पिता की आज्ञा से श्रीराम लक्ष्मण सीता जी वनवास चले गए उन्हें ज्ञात हो गया था कि दुख में उनके पिता की मृत्यु भी हो गई है। जब श्री राम जी पुष्कर पहुंचे तो उन्होंने अपने पिता के निमित्त श्राद्ध किया इससे श्रेष्ठ अवसर हो ही नहीं सकता कि पिता का श्राद्ध पुष्कर में हो। श्री राम जी ने सभी शाक फल भोजन सामग्री की व्यवस्था की और माता सीता ने रसोई बनाई। सम्पूर्ण विधी विधान के साथ वहां श्राद्ध हेतु ब्राह्मणों का आवाहन किया गया। सभी नेआसन गृहण कर लिया ,जो भोजन उपलब्ध था,वह पत्तल में परोसा गया,माता जानकी स्वयं व्यवस्था कर रही थीं। अचानक जानकी भोजन करते ब्राह्मण और श्रृषियों के बीच से निकलीं और तुरंत ही दूर चली गईं ,जाकर वे घनी झाड़ियों लताओं के पीछे छिपकर बैठ गईं,यह सभी कृत्य श्री राम जी देख रहे थे ,उन्हें आश्चर्य भी हुआ ,वे ब्राह्मण, ऋषियों के भोजन सम्पन्न होने की प्रतीक्षा कर रहे थे।भोजन उपरांत श्री राम ने जानकी माता से बोले -हे सीते तुम्हे तो मालुम है, कि ब्राह्मण,ऋषियों के रुप में स्वंय पितृ भोजन करते हैं ,फिर तुम अचानक वहां से कैसे आ गईं,कुछ कमी हो जाती टू वे रुष्ट हो सकते थे ? तब रुंधे गले से माता जानकी ने बहुत ही भावुक करने वाला जबाब दिया -वहां उपस्थित ब्राह्मण एवं ऋषियों के बीच मैने दो महापुरुषों को देखा जो राजसी वेषभूषा में सजे धजे थे ,तभी मैंने आपके पिता जी के दर्शन किये,वे भी सभी राजसी वस्त्र आभूषण से सजे हुए थे। तभी मुझे लज्जा का बोध हुआ ,और मन में कुछ और भी आया उसी क्षण मैंने निश्चय किया, हे प्रभू ,मैं इन सन्यासी वस्त्र,पेड़ की छाल,मृघचर्म धारण करके अपने ससुर के सम्मुख कैसे जा सकती हूं? जो भोजन हम परोस रहे थे ,वह तो राजा दशरथ के दास भी नहीं स्वीकार करते , मिट्टी और पत्ते के दोने में वह भोजन कैसे दे सकती थी ? मैं तो अभी भी अपने ससुर की वहीं राजकुमारी लाडली बहू हूं,जो हमेशा स्वर्ण आभूषणों से कीमती वस्त्रों से सुसज्जित महारानी हूं। आज मैं अपनी इस अवस्था में उनके सामने कैसे जाती ,उनके मन को कितना क्षोभ पहुंचता ,मै उनके मन को दुख नहीं पहुंचा सकती थी ।

राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी खत्म नहीं हो पाया गहलोत बनाम पायलट का मामला

राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा सचिन पायलट सहित सभी आरोपियों को क्लीन चिट दिए जाने के बाद अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई का अंत हो जाएगा। वैसे भी अब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार नहीं है तो कुर्सी के लिए लड़ाई का कोई मतलब नहीं है। वर्ष 2020 में राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी ही सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट पर भाजपा के साथ मिलकर सरकार गिराने और विधायकों की खरीद फरोख्त करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। मामला एसओजी और एसीबी तक पहुंचा। लेकिन उस समय के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दर्ज करवाए गए मामले में जांच करने के बाद एसीबी ने अदालत के सामने एफआर लगाते हुए यह कह दिया कि उन्हें कोई सबूत नहीं मिला है और यह पूरा मामला फर्जी है। जांच एजेंसी की रिपोर्ट के बाद राजस्थान हाई कोर्ट ने मामले को खारिज करते हुए सभी आरोपियों को क्लीन चिट दे दी है। यह माना जा रहा था कि राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा सचिन पायलट सहित सभी आरोपियों को क्लीन चिट दिए जाने के बाद अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई का अंत हो जाएगा। वैसे भी अब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार नहीं है तो कुर्सी के लिए लड़ाई का कोई मतलब नहीं है। अदालत का फैसला आने के बाद सचिन पायलट ने सधे हुए अंदाज में संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, न्यायपालिका में सभी का भरोसा है। न्यायपालिका में कभी-कभी देरी हो जाती है, लेकिन उन्हें लगता है देश की न्याय पालिका सुदृढ है, मजबूत है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें नहीं लगता कि जब अदालत का निर्णय आ गया है, तो अब कुछ बचा है कहने को। न्यायपालिका में सबका भरोसा है। अदालत द्वारा क्लीन चिट मिलने के बाद यह माना जा रहा था कि सचिन पायलट को जल्द ही कांग्रेस संगठन में नई और बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। खबरें तो यहां तक आ रही है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, दोनों नेताओं ने सचिन पायलट से उन्हें कांग्रेस का राष्ट्रीय संगठन महासचिव बनाने का वादा कर रखा है। आपको बता दें कि, कांग्रेस संगठन में राष्ट्रीय संगठन महासचिव का पद राष्ट्रीय अध्यक्ष के बाद दूसरा सबसे ताकतवर पद माना जाता है। इसी पद को छोड़कर वर्ष 2018 में अशोक गहलोत राजस्थान का मुख्यमंत्री बनकर जयपुर चले गए थे और वर्तमान में इस पद पर केसी वेणुगोपाल बैठे हुए हैं। लेकिन अदालत का फैसला आने के बाद अशोक गहलोत ने एक बार फिर से मोर्चा खोल दिया है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, राजस्थान में 2020 में कांग्रेस सरकार गिराने की साज़िश करने वाले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एसीबी द्वारा एक मुकदमे में एफआर

लगाने पर बड़ी-बड़ी बातें कह रहे हैं। वो यह बताएं कि यदि इतने ही ईमानदार हैं तो विधायकों से खरीद-फरोख्त की बात करने वाले ऑडियो की जांच के लिए आज तक वॉइस सैंपल क्यों नहीं दिया? संजय जैन वाले मुकदमे में वो बार-बार अदालत में वॉइस सैंपल देने का विरोध क्यों करते हैं? यदि वो ईमानदार हैं तो एक बार वॉइस सैंपल देकर अपनी ईमानदारी साबित करें। सरकार बदलने के बाद पहले संजीवनी केस और अब दूसरे मामलों में जांच एजेंसियों पर दबाव डालकर तथ्य तोड़े-मरोड़कर एफआर लगाई जा रही है जिससे कोर्ट के सामने कोई और चारा नहीं बचता है। जुलाई-अगस्त 2020 में सरकार गिराने के लिए 30 विधायकों के समर्थन वापसी के दावे, 20 विधायकों को मानेसर ले जाना, अमित शाह, धर्मेन्द्र प्रधान और जफर इस्लाम से मुलाकात, कांग्रेस नेताओं पर ईडी, आईटी और सीबीआई के छापे, विधायकों को रिश्वत के मामले, बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों के ऊपर अचानक मुकदमे समेत सभी यादें प्रदेशवासियों के मन में ताजा हैं। सांसद हनुमान बेनीवाल ने ही कुछ दिन पूर्व ही सरकार गिराने के संदर्भ में बयान दिया था कि उस समय वो भाजपा का सहयोग कर रहे थे।तब महीनेभर पहले मध्य प्रदेश में जैसे सरकार गिराई गई थी वही प्रयास राजस्थान में हुए इसमें किसी को शक नहीं है। कांग्रेस आलाकमान और जनता के आशीर्वाद से वह प्रयास असफल हुआ था और हमारी सरकार 5 साल चली। इससे गजेन्द्र सिंह शेखावत समेत सभी लोग मन मसोस कर रह गए। इस प्रकार गजेन्द्र सिंह शेखावत चुनी हुई सरकार को गिराने के प्रयास के इस पाप से कभी मुक्त नहीं हो सकते। अपने इस पोस्ट में अशोक गहलोत ने अमित शाह, गजेंद्र सिंह शेखावत और बीजेपी के अन्य नेताओं के नाम लेकर यह साबित करने की कोशिश की है कि वर्ष 2020 में उनकी सरकार गिराने की साजिश हुई थी और इस बात पर वो आज भी कायम है। इतना ही नहीं 20 विधायकों को मानेसर ले जाने की याद दिलाकर उन्होंने बिना नाम लिए एक बार फिर से सचिन पायलट पर निशाना साधा है क्योंकि यह सब जानते हैं कि अपने समर्थक विधायकों के साथ पायलट ही मानेसर गए थे। यानी अदालत के फैसले के बाद भी अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई का अंत फिलहाल तो होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। आपको याद दिला दें कि, वर्ष 2018 में राजस्थान में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद राहुल गांधी के करीबी सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। लेकिन अशोक गहलोत ने सबको चौंकाते हुए सोनिया गांधी और उनके आसपास के बुजुर्ग नेताओं को साध लिया। पायलट को मजबूरी में अशोक गहलोत की सरकार में उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करना पड़ा। वर्ष 2020 में मध्य प्रदेश में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे बुजुर्ग नेताओं से परेशान राहुल गांधी के एक और करीबी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने समर्थक विधायकों के साथ पाला बदलकर कांग्रेस की सरकार गिरवा दी थी। जिसका जिक्र गहलोत ने भी अपनी पोस्ट में किया है। राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री होने के बावजूद लगातार उपेक्षा का दंश झेल रहे सचिन पायलट अपने समर्थक विधायकों के साथ मानेसर चले गए। उसके बाद क्या हुआ,यह सबको मालूम है। पायलट वापस आए, गहलोत सरकार बच गई लेकिन उनके अड़ जाने के कारण सचिन पायलट को प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री, दोनों पदों से हटना पड़ा। लेकिन वर्षों तक जांच करने के बाद एसीबी ने हाईकोर्ट में दाखिल अपनी रिपोर्ट में सरकार गिराने की साजिश को फर्जी बताते हुए कहा कि, आरोपियों के फोन रिकॉर्डिंग विधायकों को खरीदने या रिश्वत देने का मामला स्पष्ट नहीं होता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एसीबी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि, रिकॉर्डिंग में सामान्य राजनीतिक बातचीत, सट्टेबाजी, जुआ, महिलाओं की बातचीत और निजी बातें सुनाई दी गई। बैंक खातों की जांच में कोई भी बड़ी राशि का ट्रांजैक्शन सामने नहीं आया। यहां तक कि जांच के दौरान किसी भी विधायक ने यह नहीं कहा कि आरोपियों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की थी। जिसके बाद राजस्थान हाई कोर्ट ने मामले को खत्म कर दिया। हालांकि अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर लंबा-चौड़ा पोस्ट कर इशारों-इशारों में कांग्रेस आलाकमान और खासकर राहुल गांधी को बड़ा राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया है कि सचिन पायलट की किसी भी रूप में और किसी भी पद पर ताजपोशी उन्हें कतई मंजूर नहीं है। देखते हैं कि इस बार राहुल गांधी अपना वादा पूरा कर पाते हैं या फिर बुजुर्ग नेताओं के दबाव में फिर से पीछे हट जाते हैं।

डेटा के उपयोग से कारोबार की तरक्की में मददगार पेशा

इन दिनों बाजार का ज्यादातर बिजनेस डेटा आधारित हो गया है। ऐसे में डेटा का विश्लेषण करना और उसका सही तरह से उपयोग कर बिजनेस को अनुकूलतम बनाने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा करना बेहद आवश्यक हो गया है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट का कैरियर बहुत मायने रखता है। एक तरह से यह बिजनेस के संरक्षक होते हैं जो बिजनेस को समझने, उसे बढ़ाने और सुरक्षित करने का महत्वपूर्ण काम करते हैं। इसीलिए आजकल बिजनेस इंटेलिजेंस का कैरियर युवाओं के लिए यउपयोगी, कमाऊ और लोकप्रिय बनता जा रहा है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट एक स्किल्ड प्रोफेशनल होता है जो डेटा की निगरानी करने तथा उसे उपयोगी व्यवसाय प्रक्रिया में बदलने के लिए जिम्मेदार होता है। यह अपने बिजनेस ऑगेर्नाइजेशन में वैल्यू एडिशन करता है। वह अपने ऑगेर्नाइजेशन के लिए नई-नई बिजनेस ऑपर्चुनिटी खोज कर उसे अपने व्यवसाय में जोड़ता है जिससे बिजनेस को अपडेट तथा बाजार में नवीनतम बनाए रखने में मदद मिलती है। बिजनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, डेटा बिजनेस की गाड़ी के लिए एक नया फ्यूल है जो बिजनेस से संबंधित इंफॉर्मेशन हासिल करने में सहायक है। यह इंफॉर्मेशन बिजनेस एफिशिएंसी और उसके रेवेन्यू को बढ़ाने में मदद करती हैं। उपलब्ध इंफॉर्मेशन और डेटा का विश्लेषण कर उपयोगी डेटा का सिलेक्शन और अनुपयोगी डेटा का रिजेक्शन करने वाला ही बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट होता है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट डेटा मॉडलिंग, डेटा एनालिसिस, डेटा विजुअलाइजेशन और एआई-संबंधित स्किल्स और टेक्निक्स का उपयोग करके इनसाइट्स विकसित करते हैं जो कंपनी के मैनेजर्स, एक्जिक्यूटिव्ज और डिपार्टमेंट्स को नोटिफाइड स्ट्रैटजी कमर्शियल डिसिजन्स को डेवलप करने में मदद करते हैं। उनकी भूमिका में मुख्य रूप से अपने निष्कर्षों को साझा करने के लिए प्रमुख बेनिफिशियरीज के साथ बातचीत करना भी शामिल है। वे वित्तीय, रोजगार, व्यय और राजस्व रिपोर्ट सहित ऑगेर्नाइजेशनल डेटा

का एक्सट्रैक्शन और एनालिसिस करते हैं। उनके काम में रिपोर्ट की गई प्रॉब्लम्स के बारे में डेटा कलेक्शन और ऐसे सॉल्यूशंस की अनुशंसा करना है जो प्रोसेजियर्स एफिशिएंसी और सिस्टम्स एक्जिबिशन को बढ़ाते हैं। उनका काम कॉस्ट और प्रॉफिट एनालिसिस भी है। वे मौजूदा स्ट्रैटजी की एफिशिएंसी का एनालिसिस करके मैनेजमेंट और एक्जिक्यूटिव्ज को सूचित और प्रशिक्षित करते हैं तथा रिफॉर्म्स को लागू करने में सहायता कर ऑगेर्नाइजेशनल परफॉर्मेंस को बिजनेस के अनुरूप बनाने का काम भी करते हैं। बिजनेस के लिए जरूरी मॉड्यूल्स को अपनाकर टीम मैनेजमेंट में मदद करते हैं। वहीं उनके काम में चौटबोट और एआई जैसे टूल्स को प्रभावी रूप से उपयोग में लाना, डेटा कम्युनिकेशन के लिए वर्कशॉप का आयोजन करना तथा उससे संबंधित रिपोर्ट तैयार करना भी शामिल है। बीआई एनालिस्ट्स को उनके द्वारा विश्लेषित डेटा से स्पष्ट, उपयोगी इनसाइट पैदा करने के लिए आवश्यक टूल्स प्रदान किए जा सकते हैं। इससे बीआई एनालिस्ट्स को यह समझने में मदद मिलती है कि वह डेटा वास्तविक व्यावसायिक निर्णयों में कैसे तब्दील हो सकता है। एआई उद्योग की विशाल मात्रा में डेटा को संश्लेषित करने और निर्णयों को सुसंगत कार्य आईबीएम जैसी स्थापित दिग्गज कंपनियों से लेकर स्टार्टअप तक कई शीर्ष तकनीकी कंपनियां इसयोजनाओं में स्वचालन की क्षमता को सशक्त बनाती हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और अन्य दृष्टिकोण का लाभ उठाने की कोशिश कर रही हैं। आजकल लगभग सभी बड़ी कंपनियों के पास बहुत सारा मूल्यवान डेटा उपलब्ध है। व्यवसाय करने के दौरान और अन्य स्त्रोतों से एकत्रित डेटा जो उनके संगठन के लिए रिलेवेंट है, बिजनेस को मौजूदा परिस्थिति में मार्केट के लिए तैयार करता है। बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट इन डेटा को समझने, उपयोगी जानकारी खोजने के लिए गहराई से खोज करने, रुझानों की पहचान करने और कार्रवाई योग्य बिजनेस इनसाइट पैदा करने में एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं। जिनके पास डेटा से संबंधित प्रैक्टिकल नॉलेज, डेटा एनालिसिस की तकनीकों, एआई और मॉडर्न बिजनेस इंटेलिजेंस का ज्ञान तथा इसके उपयोग में दक्षता हासिल है, वह सफल बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट बन सकते हैं। वैसे तो बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट सभी बड़ी कंपनियों के लिए जरूरी हैं।

नरेंद्र मोदी : सफलताएँ, असफलताएँ एवं आलोचनाएं

एस आर दारापुरी

नरेंद्र मोदी 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं और अपनी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कम बहुमत के बावजूद 2024 में तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित कर रहे हैं। उनके कार्यकाल में बुनियादी ढाँचे, आर्थिक सुधारों और विदेश नीति में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसे अक्सर भारत की वैश्विक स्थिति को ऊँचा उठाने और बड़े पैमाने पर कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करने का श्रेय दिया जाता है। नीचे विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त प्रमुख सफलताएँ दी गई हैं, जो सरकारी उपलब्धियों और स्वतंत्र विश्लेषणों का प्रतिनिधित्व करती हैं। मोदी सरकार ने बुनियादी ढाँचे को प्राथमिकता दी है, भारतमाला परियोजना जैसी पहलों की बदौलत, जिसने राजमार्ग नेटवर्क का महत्वपूर्ण विस्तार किया है, पिछले किसी भी प्रशासन की तुलना में प्रतिदिन अधिक सड़कें बिछाई हैं। इसने उनकी एनडीए सरकार के तहत भारत को सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में योगदान दिया है, जिसमें 2017 में माल और सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों ने कर प्रणाली को ष्एक राष्ट्र, एक करष के रूप में एकीकृत किया और व्यावसायिक संचालन को सुव्यवस्थित किया। उदारीकरण के प्रयासों में रक्षा और रेलवे जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (थ्क्प्) को आसान बनाना, जनरल इलेक्ट्रिक के साथ लोकोमोटिव के लिए समझौते और मुंबई और अहमदाबाद के बीच जापान की हाई-स्पीड रेल परियोजना जैसे निवेश आकर्षित करना शामिल है। मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया अभियानों ने विनिर्माण और डिजिटल बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा दिया है, जिसमें 22 नई योजनाओं ने कनेक्टिविटी को बढ़ाया है और 1,000 से ज्यादा पुराने कानूनों को खत्म करके नौकरशाही की बाधाओं को कम किया है। ज्योतिग्राम योजना (उनके गुजरात कार्यकाल से विस्तारित) जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण विद्युतीकरण ने गाँवों को चौबीसों घंटे बिजली प्रदान की, जबकि स्मार्ट सिटीज और स्मार्ट विलेज पहल का लक्ष्य 2019 तक 100 शहरों और 2,500 गाँवों को इंटरनेट और स्वच्छता से युक्त बनाना था।कल्याणकारी कार्यक्रम लाखों लोगों तक पहुँचे हैंरू प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त खाद्यान्न मिलता है, और खुले में शौच को खत्म करने के लिए स्वच्छ भारत अभियान के तहत 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने 2018 तक 5.8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन वितरित किए, जिससे खपत में 56: की वृद्धि हुई, जबकि प्रधानमंत्री जन धन योजना ने 2015 तक 12.5 करोड़ बैंक खाते खोले। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से कौशल विकास ने 2016 तक लगभग 18 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया, और नई शिक्षा नीति 2020 ने स्कूली और उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव पेश किए। दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम के रूप में प्रशंसित आयुष्मान भारत ने अपने पहले महीने में 1 लाख से अधिक लाभार्थियों को बीमा प्रदान किया। सामाजिक नीतियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10: आरक्षण के लिए 2019 का कानून और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना शामिल है, जिसने इस क्षेत्र को भारत के साथ और अधिक निकटता से जोड़ा और इसे दीर्घकालिक मुद्दों के समाधान के लिए एक साहसिक कदम के रूप में देखा गया। मोदी ने ष्बहुसंरेखणष को आगे बढ़ाया है, अमेरिका, मध्य पूर्व और इजराइल के साथ संबंधों को मजबूत किया है, पाँच द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारियाँ जोड़ी हैं और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की शुरूआत की है। उन्होंने 2016 तक 42 देशों की 51 यात्राएँ कीं, अपने शपथ ग्रहण समारोह में सार्क नेताओं को आमंत्रित कियाकृजो किसी भारतीय प्रधानमंत्री के लिए पहली बार थाकृऔर एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत म्यांमार के साथ संबंधों को मजबूत किया। राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी उनकी सफलताओं में 2016 के उरी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक और ष्ऑपरेशन कगारष जैसे नक्सल-विरोधी अभियान शामिल हैं, जिनसे वामपंथी उग्रवाद में कमी आई है। अंतरिक्ष अन्वेषण की प्रतिबद्धता, असफ लताओं के बावजूद, बनी हुई है, जिससे भारत भविष्य के मिशनों में नेतृत्व के लिए तैयार है। उनके नेतृत्व ने उच्च अनुमोदन रेटिंग बनाए रखी है, दक्षिणपंथी नीतियों के प्रति राजनीतिक पुनर्संयोजन का निर्माण किया है और भारत की वैश्विक स्थिति को आकार दिया है।भारत को एक अधिक मुखर और विकसित राष्ट्र में बदलने के लिए समर्थकों द्वारा इन उपलब्धियों की प्रशंसा की गई है, हालाँकि जीएसटी और कल्याणकारी योजनाओं जैसी कुछ योजनाओं के परिणाम मिश्रित रहे हैं।हालाँकि मोदी के कार्यकाल में कई अच्छी उपलब्धियाँ रही हैं, लेकिन आर्थिक मंदी, सामाजिक विभाजन और नीतिगत कुप्रबंधन के कारण उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। विपक्षी दल और विश्लेषक बेरोजगारी और लोकतांत्रिक पतन जैसे गंभीर मुद्दों की ओर इशारा करते हैं, क्योंकि उनकी भाजपा 2024 के चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल करने में विफल रही, जिससे गठबंधन सरकार बनाने पर मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस सहित आलोचक उनके 11 वर्षों के कार्यकाल को ष्विफलताओं और जनविरोधी नीतियों का ज्वलंत उदाहरण बताते हैं।

75वें जन्मदिन का जश्न

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 75 बरस पूरे किए। यूं तो जब से श्री मोदी सत्ता में आए हैं, तभी से उनकी चाटुकारिता की होड़ व्यापार, मीडिया, फिल्म, खेल आदि क्षेत्रों के नामी लोगों में लगी रही कि कौन कितना बढ़कर उनकी शान में कसीदे कह सकता है। लेकिन सत्ता के तीसरे दौर में तो मानो सारी सीमाएं ही टूट गईं, राजशाही के दौर के चारण-भाट भी इस होड़ में टिक नहीं सकते, जबकि उनका पेशा ही राजा की तारीफ करना होता था। भाजपा ने तो काफी वक्त से इस दिन के खास जश्न की तैयारी की थी। अब नरेन्द्र मोदी राहुल गांधी या सोनिया गांधी जैसे व्यक्तित्व के तो हैं नहीं, जो कहें कि देश इतनी विपदाओं से गुजर रहा है। कई राज्यों में बाढ़ और बारिश की तबाही है। ऐसे में जन्मदिन में तामझाम न किया जाए। सादगी बरती जाए। अगर मोदीजी ऐसा कह देते तो उनका दस लाख का सोने की जरी से नमो-नमो जड़ा सूट अपनी उपयोगिता पर तरस खाता। लाखों की गाड़ियां, कपड़े, चश्मे और घड़ियां निरर्थक हो जाते। एक चाय बेचने वाला गरीब मां का बेटा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रधानमंत्री बना है, यही भावुक कथा पिछले 11 सालों से बांची जा रही है। इसका पारायण करने के लिए अगर चकाचौंध न दिखाई जाए, तो फिर सब कुछ व्यर्थ हो जाएगा। इसलिए अपने 140 करोड़ परिवारजनों को प्राकृतिक विपदा, बीमारी, बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई इन सब पर रोते हुए छोड़ नरेन्द्र मोदी अपने 75वें जन्मदिन के जश्न की तैयारी देखते रहे।कई महंगे निजी स्कूलों में नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर बच्चों को विशेष काम दिया गया, जिसमें उन्हें बधाई संदेश लिखना था, या ग्रीटिंग कार्ड बनाना था। एक अंग्रेजी अखबार ने अपने पाठकों से मोदीजी के जन्मदिन के लिए विशेष बधाई संदेश आमंत्रित किए। इन सब को देखकर सवाल भी हुए कि क्या हम उ.कोरिया बनने की तरफ बढ़ रहे हैं, जहां तानाशाह किम जोंग उन के इर्द-गिर्द ही सारी गतिविधियां होती हैं और इसमें जनता की आवाज को कुचल दिया जाता है। दरअसल भाजपा इस बात को अच्छे से जानती है कि हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा श्री मोदी ने पूरा नहीं किया तो बीते कुछ सालों से 17 सितंबर को बेरोजगारी दिवस के तौर पर मनाया जाता रहा है। इसमें दो शासनकाल तो किसी तरह निकल गए, लेकिन सत्ता के तीसरे काल में मोदी सरकार घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर आलोचना का शिकार हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीयों को हथकड़ियों में भेजने से लेकर 50 प्रतिशत टैरिफ थोपने और भारत-पाक संबंधों में अड़ंगा डालकर भारत का अपमान कर चुके हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने आज तक उसका प्रतिवाद नहीं किया। चीन के साथ भी दिखावे की नाराजगी के बाद अब दोस्ती बढ़ा ली, जबकि गलवान के 20 शहीदों का इंसाफ नहीं हुआ है। संविधान पर तरह-तरह से आक्रमण बढ़े हैं, अंबेडकर अंबेडकर कहना फैशन बन गया है, ऐसा खुद अमित शाह ने कहा था। इन सबसे नरेन्द्र मोदी की छवि जनता के बीच कमजोर हो चुकी थी। ऐसे में जन्मदिन को आपदा में अवसर की तरह भुनाने की कोशिश हुई। हैशटैग माई मोदी स्टोरी के तहत मुकेश अंबानी, शाहरुख खान, विश्वनाथ आनंद जैसे दर्जनों दिग्गजों ने मोदीजी को जन्मदिन की बधाई दी। बताया जा रहा है कि ये बधाई संदेश भाजपा की आईटी सेल की तरफ से सबको भेजे गए हैं कि इसे ही सारे लोग अपने-अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करें। इसमें अपनी तरफ से जिसे जितनी चाटुकारिता करनी हो, वो कर सकता है, इसलिए मुकेश अंबानी ने यहां तक कह दिया कि जब भारत की आजादी के सौ साल हों, तब भी मोदी भारत की सेवा करते रहें, ऐसी उनकी हार्दिक इच्छा है। वैसे भारतीय संस्कृति में व्यक्ति के जीवन में जिन चार पड़ावों या आश्रमों का उल्लेख किया गया है, उसके मुताबिक अब श्री मोदी को संन्यास आश्रम में प्रवेश करना चाहिए। पैदा होने से 25 बरस की आयु तक ब्रह्मचर्य (छात्र जीवन), फिर 50 बरस तक गृहस्थ (पारिवारिक जीवन), 75 बरस तक वानप्रस्थ (वन में रहकर तपस्या), और उसके बाद संन्यास (पूर्ण त्याग) का ही वर्णन किया गया है। संन्यास आश्रम को जीवन का अंतिम और सबसे त्यागमय चरण है। इस आश्रम में व्यक्ति सांसारिक बंधनों और सभी प्रकार के मोह का त्याग कर देता है। वह पूर्ण वैराग्य धारण कर लेता है और ईश्वर की प्राप्ति के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है। लेकिन मोदीजी के जन्मदिन का जश्न देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि वे संस्कृति के इस अध्याय का पालन करेंगे और संन्यास आश्रम में जाने की तैयारी करेंगे। उनके समर्थक तर्क दे सकते हैं कि उन्होंने गृहस्थ जीवन में ही वानप्रस्थ और संन्यास दोनों चरणों को जी लिया था, इसलिए अब उन पर कोई पाबंदी नहीं है। वैसे भी अगर श्री मोदी ने खुद को अलौकिक घोषित किया है, तो फिर इहलोक के नियम उन पर कैसे लागू होंगे। भारतीय भोजन यूं भी भारत का संविधान हर नागरिक को आजादी देता है कि वह कानूनों और नियमों का पालन करते हुए अपनी मर्जी का जीवन जिए।

'विकसित भारत के लिए गुणवत्ता प्रबंधन सबसे जरूरी', वित्त मंत्री सीतारमण ने कौशल विकास पर दिया जोर

नई दिल्ली , वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विकसित भारत का मार्ग केवल अधोसंरचना निर्माण या मानव संसाधन प्रशिक्षण में मामूली सुधार से नहीं बनेगा, बल्कि इसके लिए गुणवत्ता प्रबंधन की गहन समझ और उद्योग जगत से अनुभवी इनपुट जरूरी है। यही हस्तक्षेप भारत में उत्पादन और सेवाओं की गुणवत्ता को नए स्तर पर ले जाएगा। विकसित भारत का रास्ता केवल ढांचागत विकास ने नहीं बनेगा। गुणवत्ता प्रबंधन इसमें अहम भूमिका निभाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (क्प्क्ड्ढट) के वार्षिक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि विकसित भारत का मार्ग केवल अधोसंरचना निर्माण या मानव संसाधन प्रशिक्षण में मामूली सुधार से नहीं बनेगा, बल्कि इसके लिए गुणवत्ता प्रबंधन की गहन समझ और उद्योग जगत से अनुभवी इनपुट जरूरी है। यही हस्तक्षेप भारत में उत्पादन और सेवाओं की गुणवत्ता को नए स्तर पर ले जाएगा।

ऐश्वर्या राय
की हमशक्ल के नाम से मशहूर हैं ये हस्तियां, पाकिस्तान से है एक का संबन्ध

ऐश्वर्या राय बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने भारत के अलावा दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह एक्टिंग, डांसिंग के अलावा अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर हैं। ऐश्वर्या के चाहने वालों में अलग-अलग उम्र के लोग शामिल हैं। कहा जाता है कि एक इंसान की शक्ल से मिलते-जुलते कई लोग होते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ महिलाओं से मिलवाते हैं, जो दिखने में ऐश्वर्या राय जैसी हैं। स्नेहा उल्लाल स्नेहा उल्लाल बॉलीवुड की अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2005 में फिल्म 'लकी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। स्नेहा उल्लाल, ऐश्वर्या राय की तरह दिखती हैं। उस वक्त कई लोगों ने कहा था कि सलमान खान स्नेहा उल्लाल को फिल्मों में ऐश्वर्या के विकल्प के तौर पर लाए हैं। स्नेहा उल्लाल, ऐश्वर्या की तरह दिखती जरूर हैं लेकिन वह बॉलीवुड में उनके जितना मशहूर नहीं हुईं। आशिता सिंह राठौर आशिता सिंह राठौर का ताल्लुक मध्य प्रदेश से है। वह इन्फ्लुएंसर हैं। वह दिखने में ऐश्वर्या की तरह हैं। उनके फैंस उन्हें ऐश्वर्या की कॉपी कहते हैं। आशिता अपने इंस्टाग्राम पर कई वीडियो शेयर करती हैं। वह ज्यादातर वीडियो में ऐश्वर्या राय के डायलॉग और गानों पर लिप सिंक करती हैं। आमना इमरान आमना इमरान पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर हैं। वह अमेरिका में रहती हैं। वह अक्सर ऐश्वर्या राय के गानों और डायलॉग्स पर लिप सिंक करती हुई नजर आती हैं। उनकी रील्स को खूब पसंद किया जाता है। हाल ही में जब लोगों ने उनकी तुलना ऐश्वर्या से की तो वह खुश हो गई थीं और लोगों को शुक्रिया कहा था। मानसी नायक ऐश्वर्या राय की तरह दिखने वालों में मराठी अभिनेत्री मानसी नायक का नाम भी शामिल है। वह कई बार ऐश्वर्या राय की तरह गेटअप में फोटोशूट करा चुकी हैं। उनके चाहने वाले उन्हें ऐश्वर्या राय की हमशक्ल बताते हैं। मानसी 2007 से मराठी फिल्मों में अभिनय कर रही हैं। वह बेहतरीन डांसर भी हैं। अमृता साजो अमृता साजो का ताल्लुक केरल से है। वह ऐश्वर्या के गानों और डायलॉग्स पर लिप सिंक करके मशहूर हुई हैं। उनके फैंस उन्हें ऐश्वर्या की कॉपी कहते हैं। अमृता साजो की आंखों की बनावट और उनकी शक्ल ऐश्वर्या से काफी मिलती है।

बिग बॉस 19 : मां के साथ हुआ बुरा बर्ताव . .अमाल ने परिवार का खोला राज, चाचा अनु मलिक की चलाकियों का किया भंडाफोड़

मशहूर म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अमाल मलिक इन दिनों रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 19 के घर में सुर्खियां बटोर रहे हैं। शो में वह न सिर्फ अपने गेम खेलने के अंदाज, बल्कि निजी जिंदगी को लेकर भी लोगों का खूब ध्यान खींच रहे हैं। वहीं, हाल ही में शो में अमाल ने अपने परिवार को लेकर एक बात कही है, जिसने सभी को चौंका दिया।मशहूर म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अमाल मलिक इन दिनों रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 19 के घर में सुर्खियां बटोर रहे हैं। शो में वह न सिर्फ अपने गेम खेलने के अंदाज, बल्कि निजी जिंदगी को लेकर भी लोगों का खूब ध्यान खींच रहे हैं। वहीं, हाल ही में शो में अमाल ने अपने परिवार को लेकर एक बात कही है, जिसने सभी को चौंका दिया। सलमान खान के रियलिटी शो में अमाल मलिक ने खुलकर बताया कि उनके पिता डब्बू मलिक ने किस तरह उनकी मां के साथ उनके जन्म से पहले ही बुरा बर्ताव किया और किस तरह उनके परिवार ने कई उतार-चढ़ाव देखे। शो में अमाल मलिक ने कंटेस्टेंट बसीर अली से बातचीत के दौरान बचपन से जुड़ी एक ऐसी कहानी सुनाई, जिसे सुनकर बसीर भी भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि जब उनकी मां गर्भवती थीं, तब उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। ज्वाइंट परिवार में रहने के कारण उन पर काम का बहुत दबाव रहता था। सिंगर ने कहा कि उनकी मां ने कई बार अपमान और तकलीफ सही, यहां तक कि गुस्से में एक बार उन्होंने अलमारी पर हाथ मारकर अपनी पीड़ा जाहिर की थी। अमाल का कहना है कि वो उनकी मां की हिम्मत और संघर्षों की वजह से ही वह आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं। न सिर्फ पिता बल्कि अमाल मलिक ने अपने चाचा और मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर अनु मलिक पर भी गंभीर आरोप लगाए।

क्या विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स ने अपने बजट से दोगुनी कीमत में लॉक की ओटीटी डील

टीम डिजिटल। विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इसे इंडियन सिनेमा की सबसे बोल्ड फिल्मों में से एक माना जा रहा है। इस फिल्म की कहानी आज और बीते कल के बीच में सफर करती है, जिसमें 16 अगस्त 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे की दिल दहला देने वाली सच्चाई की झलक दिखाई गई है। यह फिल्म देशभर में चर्चा का विषय बनने के बाद, अब पश्चिम बंगाल में शुरूआती बैन से बाहर निकल कर आखिरकार रिलीज हो चुकी है। ऐसे में अब सुनने में आ रहा है कि फिल्म के ओटीटी राइट्स को उसके बजट से भी ज्यादा प्राइस में बेचा गया है। एक इंडिपेंडेंट इंडस्ट्री सोर्स के मुताबिक, द बंगाल फाइल्स थिएटर्स में शानदार परफॉर्मेंस कर रही है। इसी बीच खबर है कि इसके ओटीटी राइट्स जी5 को 70 करोड़ से ज्यादा की डील में बेचे गए हैं, जो फिल्म के बजट से दोगुने हैं। फिल्म के बजट की तुलना में ओटीटी के लिए हासिल हुई कीमत काफी ज्यादा मानी जा रही है। हालांकि, सही आंकड़े के बारे में अभी पुष्टि होनी बाकी है। द बंगाल फाइल्स की कहानी और निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री ने किया है, जबकि इसके निमार्ता अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक रंजन अग्निहोत्री हैं। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन्स द्वारा प्रस्तुत की गई है और विवेक की फाइल्स ट्रिलॉजी का हिस्सा है, जिसमें द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स शामिल हैं। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

आर्यन खान की डेब्यू सीरीज के प्रीमियर में बहन ने लगाए चार-चांद
ढाई लाख से भी महंगी ड्रेस पहन बटोरी सुर्खियां

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने आखिरकार इंडस्ट्री में एंट्री कर ली है। डायरेक्टर के रूप में आर्यन की पहली वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड आज ओटीटी पर रिलीज हो रही है। रिलीज से पहले 17 सितंबर को इसका भव्य प्रीमियर आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री की दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। वहीं, इस मौके पर खान परिवार का उत्साह देखने ही लायक था। इवेंट में शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान, बेटी सुहाना खान और छोटे बेटे अबराम के साथ पहुंचे। वहीं, आर्यन की बहन ने इस मौके पर जो ड्रेस पहनी, उनके अलग ही चर्चे हो रहे हैं। शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना खान ने प्रीमियर नाइट को अपने स्टाइल से और भी खास बना दिया। उन्होंने इस मौके पर मस्टर्ड येलो कलर की फ्लोर-लेंथ गाउन पहना, जिसमें थाई-हाई स्लिट उनकी ड्रेस को बोल्ड और एलीगेंट टच दे रहा था। सुहाना के इस लुक ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। उनकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिन्हें देखकर फैन्स लगातार तारीफ कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी इस खूबसूरत ड्रेस की कीमत करीब 2.95 लाख रुपये बताई जा रही है। प्रीमियर नाइट पूरी तरह से ग्लैमरस और शानदार रही। बॉलीवुड के कई बड़े सितारे इस खास मौके पर पहुंचे और आर्यन खान को बतौर डायरेक्टर नए सफर की शुभकामनाएं दीं। बता दें द बैड्स ऑफ बॉलीवुड आर्यन खान के निर्देशन की पहली फिल्म हैं। ऐसे में शाहरुख और गौरी भी अपने बेटे के लिए काफी खुश नजर आ रहे हैं और इस सीरीज के प्रमोशन का कोई मौका नहीं छोड़ रहे।

लाल किले पर होने वाली श्रामलीलाश् में मंदोदरी बनेंगी पूनम पांडे, राज बब्बर का बेटा बना रावण

दिल्ली के लाल किला ग्राउंड में होने वाली लव कुश रामलीला की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। यह शुरू 22 सितंबर को होगी, जो 3 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। इस रामलीला में 45 के करीब एक्टर्स हिस्सा लेने वाले हैं। कहा जा रहा है कि मनोज तिवारी भगवान परशुराम का किरदार निभाएंगे। वहीं एक्ट्रेस पूनम पांडे रावण की पत्नी मंदोदरी बनने वाली हैं जबकि रावण का किरदार आर्य बब्बर निभाते नजर आएंगे। रामलीला के लिए पूनम पांडे का नाम सामने आया तो वो चर्चा में आ गई हैं। ऐसे में एक्ट्रेस ने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा-इस ऐतिहासिक और भव्य उत्सव का हिस्सा बनने का मौका मिला है. जो उनके लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। रामलीला सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं का भी उत्सव है। इससे जुड़कर खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हैं। रामलीला में हिस्सा लेने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। गौरतलब है कि पूनम पांडे की निजी जिंदगी सुर्खियों में रही है एक्ट्रेस के करियर की शुरूआत बतौर मॉडल हुई थी. ग्लैडरैग्स मैनहंट और मेगा मॉडल कॉन्टेस्ट 2010 के बाद वो सबकी नजरों में आई। वो टॉप 9 कंटेस्टेंट में रही थीं। फिर 29 कैलेंडर्स के लिए फोटोशूट किया। वह फिल्मों का हिस्सा भी रहीं जिसमें नशा, लव इज पॉइजन, मालिनी एंड कंपनी, द वीकेंड समेत कई नाम शामिल हैं हालांकि, अपनी मौत की झूठी खबर फैलाने के बाद वो जमकर ट्रोल हुईं।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' से 'परफेक्ट' गाना हुआ रिलीज, वरुण-जान्हवी-गुरु रंधावा ने मचाया धमाल

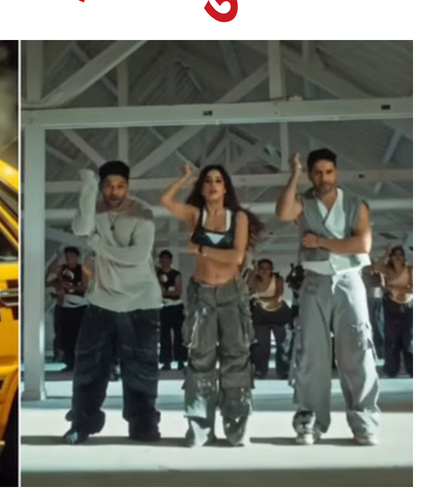

वरुण धवन और जान्हवी कपूर जल्दी ही फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आएंगे। इस फिल्म की रिलीज से पहले आज निमार्ताओं ने फिल्म का एक खास गाना 'परफेक्ट' रिलीज कर दिया है। वरुण धवन और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। आज फिल्म का एक नया गाना 'परफेक्ट' रिलीज किया गया है। इस गाने में पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा भी नजर आ रहे हैं। इस गाने को गुरु रंधावा ने गाया है। क्या खास है इस गाने में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का एक नया गाना 'परफेक्ट' आज रिलीज कर दिया गया है। इसका संगीत और बोल गुरु, गिल मछराई और रोनी अजंली ने बनाए हैं। दिलमान ने इसे प्रोड्यूस किया है। 'परफेक्ट' गाने में जान्हवी का हॉट लुक और वरुण का धमाकेदार डांस फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के बारे में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसका लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। इस फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर के अलावा रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल ने भी अहम भूमिका निभाई है।